RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 199 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 14-02-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी संसद को बाधित करने के लिए बहाना तलाशते हैं : धर्मेंद्र प्रधान

6 बांग्लादेश में बदलाव, भारत पर पड़ेगा सकारात्मक प्रभाव

7 अलग-अलग शैलियों के गीत गाकर महसूस हुई भारतीय संगीत की असली ताकत : श्रेया घोषाल

फर्स्ट टेक

कर्नाटक सरकार आज एक लाख परिवारों को संपत्ति के स्वामित्व दस्तावेज वितरित करेगी

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के 1,000 दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में, राज्य के लगभग एक लाख परिवारों को 14 फरवरी को हावेरी में आयोजित एक कार्यक्रम में संपत्ति के मालिकाना हक के दस्तावेज सौंपे जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि इस उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, राज्य के कई मंत्री और कांग्रेस पार्टी के नेता उपस्थित रहेंगे। शिवकुमार ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, ''आज हम 1000 दिन पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, इसलिए कल हावेरी में 'भूमि गारंटी' कार्यक्रम है। हम इस उत्सव को राज्य के लोगों के साथ मनाना चाहते हैं।'' राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने कहा कि सरकार इस आयोजन के दौरान लगभग एक लाख परिवारों को मकानों के मालिकाना हक के दस्तावेज वितरित करेगी।

जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए 2,000 करोड़ का कोष जारी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को 'जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद – अनुसंधान, विकास एवं नवाचार' (बाइरैक–आरडीआई) कोष की शुरुआत की। इस कोष के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक) क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पांच साल की अवधि में 2,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इस कोष का उद्देश्य प्रयोगशाला अनुसंधान और औद्योगिक विनिर्माण के बीच के अंतर को पाटना है। इसके तहत 'टीआरएल–4' से 'टीआरएल–9' तक की प्रौद्योगिकियों को इक्विटी, परिवर्तनीय उपकरणों और दीर्घकालिक ऋण के माध्यम से सहायता दी जाएगी।

रेलवे ने 2025 में तीन करोड़ संदिग्ध यूजर आईडी बंद किए : वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा को बताया कि ऑनलाइन तत्काल टिकट बुकिंग में धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए 2025 में लगभग 3.03 करोड़ संदिग्ध 'यूजर आईडी' को बंद किया गया। वैष्णव ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने साइबर हमलों से तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली की सुरक्षा के लिए रेल मंत्रालय द्वारा किए गए विभिन्न उपायों से अवगत कराते हुए बताया कि आधार आधारित वन–टाइम पासवर्ड (ओटीपी) सत्यापन ने वास्तविक यात्रियों के लिए टिकट की उपलब्धता में सुधार और पारदर्शिता बढ़ाने में योगदान दिया है।

सूर्यास्त	सूर्योदय
14-02-2026 6:14 बजे	15-02-2026 6:31 बजे

BSE	NSE
82,626.76 (-1,048.16)	25,471.10 (-336.10)

सोना	चांदी
15,973 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	258,000 रु. प्रति किलो

सत्ता-साझेदारी का

मेरा फॉर्मूला तमिलनाडु में 'राजनीतिक बम' बन गया : विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने शुक्रवार को कहा कि सहयोगियों के साथ सत्ता साझा करने का उनका प्रस्ताव तमिलनाडु में एक राजनीतिक बम बन गया है और सभी गठबंधनों में इसकी मांग की जा रही है, जिससे द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन घबरा गए हैं। द्रमुक ने कांग्रेस के साथ सत्ता साझा करने से इनकार कर दिया है। विजय ने यहां सीलानैकेनपट्टी में एक रैली को संबोधित करते हुए मतदाताओं को आश्वासन दिया कि यदि वह सत्ता में आते हैं तो सामाजिक न्याय प्रदान करने वाला शासन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने पूछा कि क्या आलोचकों को ''उनके घर'' के बारे में पता है, कि यह उनकी मातृभूमि तमिलनाडु है जहां आठ करोड़ लोग रहते हैं और वे उनका परिवार हैं। उन्होंने कहा, ''मेरा लक्ष्य तमिलनाडु के पहले सिपाही और रक्षक के रूप में जनता के साथ खड़ा होना है।'' विजय ने कहा, ''क्या आपको विक्रवंडी रैली में मेरा राजनीतिक बम याद है, सत्ता साझा करने की पेशकश? अब यह सभी गठबंधनों में धड़ाधड़ फट रहा है। मुख्यमंत्री स्टालिन घबरा गए हैं और उनका कहना है कि सत्ता साझा करना तमिलनाडु के हित में नहीं होगा।''

सेवा तीर्थ, कर्तव्य भवन विकसित भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ विकसित भारत की राह पर बढ़ रहे देश के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि वह गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर आगे बढ़े।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) और केंद्रीय सचिवालय के नए भवन विकसित भारत की दिशा में देश की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं और ये नागरिक–केंद्रित शासन एवं राष्ट्रीय प्रगति के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

नए प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय सचिवालय की दो इमारतों का उद्घाटन करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि इन इमारतों का निर्माण भारत के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया गया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम 'सेवा तीर्थ' रखा गया है जबकि केंद्रीय सचिवालय की दो इमारतों को 'कर्तव्य भवन' 1 और 2 कहा जाएगा। उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों, वरिष्ठ नौकरशाहों और केंद्र सरकार के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, सेवा तीर्थ, कर्तव्य भवन 1 और 2, विकसित भारत की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। ये नागरिक–केंद्रित शासन और राष्ट्रीय प्रगति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक जैसी ऐतिहासिक इमारतें, जिनमें अब तक प्रधानमंत्री कार्यालय के अलावा रक्षा, गृह और वित्त जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय स्थित हैं, ब्रिटिश साम्राज्य के आदर्शों को मूर्त रूप देने के लिए बनाई गई थीं, लेकिन सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन का निर्माण देश की जनता की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा, यहां लिए गए निर्णय किसी सम्राट की इच्छा को प्रतिबिंबित करने के बजाय 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने की नींव बनेंगे। इसी भावना के साथ, मैं सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन को देश की जनता को समर्पित करता हूं।

मोदी ने कहा कि आजादी के बाद, देश के भविष्य को आकार देने वाले कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए और प्रमुख नीतियां साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक जैसी इमारतों में विकसित की गईं। हालांकि, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि ये संरचनाएं मूल रूप से अंग्रेजों के प्रतीक के रूप में बनाई गई थीं। उन्होंने कहा कि भारत की राजधानी कोलकाता से रायसीना हिल पर स्थित उन इमारतों में स्थानांतरित कर दी गई थी, जिनका निर्माण ब्रिटिश राजघराने की इच्छा के अनुसार किया गया था। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे देश विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है, यह महत्वपूर्ण है कि भारत औपनिवेशिक मानसिकता के हर निशानी को छोड़ दे।

मौजूदा समय में मित्र या शत्रु को परिभाषित करना कठिन

भारत को अपने बलबूते कदम उठाने होंगे : जनरल चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत को आवश्यकता पड़ने पर स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

पुणे/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा वैश्विक व्यवस्था में स्थायी मित्र या शत्रु के बारे में धारणाएं तेजी से अविश्वसनीय होती जा रही हैं।

चौहान ने जोर देकर कहा कि भारत को जरूरत पड़ने पर स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए मानसिक, संरचनात्मक और भौतिक रूप से तैयार रहना चाहिए।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने रणनीतिक स्वायत्तता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि राष्ट्रीय हित के अनुरूप साझेदारी मूल्यवान होती है लेकिन वे स्वदेशी क्षमता या चुनने की स्वतंत्रता का विकल्प नहीं हो सकतीं। जनरल चौहान ने कहा, आज की दुनिया में यह परिभाषित करना मुश्किल है कि आपके मित्र कौन हैं, आपके सहयोगी कौन हैं, आपके शत्रु कौन हैं और आपके विरोधी कौन हैं। रणनीतिक गठबंधन अस्थिर और लेन–देन पर आधारित हो गए हैं।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष यहां दक्षिणी कमान द्वारा आयोजित 'जय' (संयुक्तता, आत्मनिर्भर नवाचार) संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जोर देते हुए कहा, इसलिए, भारत को आवश्यकता पड़ने पर स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह तैयारी मानसिक, संरचनात्मक और भौतिक होनी चाहिए।

जनरल चौहान ने बताया कि वैश्विक सुरक्षा वातावरण अनिश्चितता और अस्थिरता से चिह्नित नाटकीय परिवर्तनों से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, घोषित युद्ध अब अप्रचलित होते जा रहे हैं। प्रतिस्पर्धा तेजी से परोक्ष अभियानों, गुप्त अभियानों और साइबर गतिविधियों के माध्यम से प्रकट हो रही है।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने बताया कि संज्ञानात्मक और सूचना युद्ध एक केंद्रीय युद्धक्षेत्र के रूप में उभरा है, जो सशस्त्र बलों के बजाय समाजों को निशाना बना रहा है। जनरल चौहान ने संगोष्ठी के विषय 'जय से विजय' का जिक्र करते हुए कहा कि यह केवल एक नारा नहीं बल्कि एक रणनीतिक सिद्धांत है, जो उद्देश्य को परिणामों से जोड़ता है।

ईडी ने अंडमान बैंक धोखाधड़ी मामले में करीब 200 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बताया कि उसने धनशोधन मामले की जांच के तहत अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 200 करोड़ रुपए मूल्य के होटल, रिजॉर्ट और भूखंड की कुर्की की है। एजेंसी के मुताबिक कुर्क की गईं संपत्तियां अंडमान एवं निकोबार स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड (एएनएससीबीएल) में हुए 500 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले से 'प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से' प्राप्त हुई थीं या उसमें जुड़ी हुई थीं। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अंतरिम आदेश जारी होने के बाद कुल 51 अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया है, जिनकी कीमत 200.02 करोड़ रुपए है। ईडी ने बताया कि ये संपत्तियां आरोपियों, उनके परिवार के सदस्यों, करीबी सहयोगियों और उनके नियंत्रण वाली कंपनियों और फर्मों के नाम पर हैं।

किसान नेताओं से मिले राहुल, कहा :

अन्नदाताओं के भविष्य का सौदा मंजूर नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कई किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किसानों के साथ विश्वासघात है तथा उनके भविष्य का सौदा स्वीकार नहीं किया जा सकता।

संसद भवन परिसर में राहुल गांधी और किसान नेताओं की हुई इस बैठक में व्यापार समझौते का विरोध करने तथा किसानों व खेतिहर मज़दूरों की आजीविका की रक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बड़े आंदोलन की आवश्यकता पर चर्चा की।

राहुल गांधी ने इस मुलाकात का वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए पोस्ट किया, नरेन्द्र सरेंडर मोदी ने भारत के किसानों के साथ विश्वासघात किया है और किसान यह बात समझ चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सिर्फ़ एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि ''हमारे अन्नदाताओं की आजीविका पर सीधा हमला है''।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा, संसद में आज किसान संगठनों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाक़ात में उनकी चिंता साफ़ दिखी। महंगाई, बढ़ती लागत और एमएसपी की अनिश्चितता से जूझ रहे किसानों को अब भारी सब्सिडी और मशीनी ताक़त से लैस विदेशी फसलों के सामने बिना तैयारी खड़ा किया जा रहा है। यह बराबरी की लड़ाई नहीं, एकतरफ़ा दबाव है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, सरकार के खोखले आश्वासन अब नहीं चलेंगे।

अभिनेता रणवीर सिंह, फिल्मकार रोहित शेट्टी को धमकी मिली

मुंबई/भाषा। अभिनेता रणवीर सिंह और फिल्मकार रोहित शेट्टी को शुक्रवार को एक ऑडियो क्लिप के जरिए धमकी मिली, जिसमें प्रेषक ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य हैरी बॉक्सर होने का दावा किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। रणवीर सिंह को इस हफ्ते दूसरी बार धमकी मिली है। वहीं, इस महीने की शुरुआत में मुंबई में शेट्टी के बहुमंजिला आवास पर पांच गोलियां चलाई गई थीं। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि ऑडियो क्लिप विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित हुई, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने जांच शुरू की। यह भी संदेह है कि देश भर में कई अन्य को भी इसी तरह की धमकियां दी गई हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्लिप में सुनाई देने वाली आवाज वास्तविक है या एआई उपकरण का इस्तेमाल करके बनाई गई।

राहुल के खिलाफ प्रस्ताव नहीं लाएगी सरकार : रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करने के लिए सरकार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रस्ताव लाने की योजना छोड़ दी है क्योंकि भाजपा के एक सांसद ने इसी मुद्दे पर कांग्रेस नेता के खिलाफ एक विशिष्ट प्रस्ताव शुरू करने के लिए नोटिस दिया है।

रीजीजू ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि इस बारे में लोकसभा अध्यक्ष से सलाह ली जाएगी कि इस मामले को सदन की विशेषाधिकार समिति को भेजा जाए, आचार समिति को भेजा जाए या सीधे लोकसभा में लाया जाए। उन्होंने कहा, अभी यह तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि चूंकि एक सदस्य ने निजी तौर पर प्रस्ताव के लिए पहले ही नोटिस दे दिया है, इसलिए सरकार अपना प्रस्ताव पेश करने से बचेगी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई–वीडियो' से कहा था कि उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ ''विशिष्ट प्रस्ताव'' लाने के लिए एक नोटिस दिया है। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की सदन की सदस्यता रद्द करने और उन्हें आजीवन चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने की मांग की है। दुबे के अनुसार, उन्होंने अपने नोटिस में कहा है कि कैसे नेता प्रतिपक्ष विदेश जाते हैं और भारत विरोधी तत्वों के साथ सांठगांठ करते हैं।

बीएनपी को भारी बहुमत से जीत मिली, दो दशकों बाद सत्ता में वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने शुक्रवार को ऐतिहासिक संसदीय चुनावों में दो–तिहाई से अधिक बहुमत के साथ शानदार जीत हासिल की और दो दशकों के अंतराल के बाद सत्ता में शानदार वापसी की है।

तेरहवें संसदीय चुनाव ऐसे समय में हुए हैं, जब देश उथल–पुथल भरी राजनीतिक शून्यता, अस्थिरता और सुरक्षा की नाजुक स्थिति से गुजर रहा है। देश में पिछले साल अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अल्पसंख्यकों पर व्यापक पैमाने पर हमले हुए हैं। छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के कारण अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को 15 साल के शासन के बाद सत्ता से हटना पड़ा था।

निर्वाचन आयोग (ईसी) द्वारा घोषित अनौपचारिक परिणामों के अनुसार, बीएनपी ने 297 सीट में से 209 सीट हासिल की हैं, जबकि पाकिस्तान के करीबी मानी जाने वाली दक्षिणपंथी जमात–ए–इस्लामी ने 68 सीट जीती हैं। चुनाव में 59.44 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

हसीना की अवामी लीग पार्टी को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था।

आयोग ने चट्टोग्राम–दो और चट्टोग्राम–चार सीट पर नतीजों की घोषणा स्थगित कर दी है। एक सीट पर एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण चुनाव स्थगित किया गया था।

बीएनपी के शीर्ष नेता तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। वह अंतरिम सरकार के मुखिया नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस का स्थान लेंगे। यूनुस के कार्यकाल में बांग्लादेश और भारत के बीच रिश्तों में काफी गिरावट आई है। चुनाव में सात महिला उम्मीदवार विजयी हुई हैं, जिनमें से अधिकांश बीएनपी से हैं।

तारिक रहमान बांग्लादेश में नये चेहरे के तौर पर उभरे

ढाका/भाषा। लंदन में 17 वर्षों तक स्वनिर्वासन में रहे तारिक रहमान आम चुनाव में बांग्लादेश के नए चेहरे के रूप में उभरे हैं, क्योंकि उनके पिता द्वारा स्थापित बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने बहुमत हासिल कर 20 साल के अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की है। रहमान (60) की बीएनपी ने 297 में से 209 सीट जीती हैं, जबकि पाकिस्तान के करीबी मानी जाने वाली दक्षिणपंथी जमात–ए–इस्लामी को 68 सीट प्राप्त हुई हैं। हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। इस चुनाव में 59.44 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव परिणाम बीएनपी के लिए बड़ा उलटफेर वाला रहा। प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग सरकार के 15 साल के शासनकाल में बीएनपी को लंबे समय से निशाना बनाया गया।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदली हवा

दिनकर ने मकर राशि थामी,
संक्रांति काल का हुआ घोष।
मौसम ने ली करवट फिर से,
शारद का घटने लगा कोष।
उड़ चली पतंगें नभ छूने,
फागुन को आने लगा होश।
अब दिशा बदलने लगी हवा,
कफ जनित मिटेंगे व्याधि दोष।।

धार्मिक शोभायात्रा

शुक्रवार को राजस्थान के अजमेर में महाशिवरात्रि पर्व से पहले आयोजित धार्मिक शोभायात्रा के दौरान एक व्यक्ति आग के साथ प्रदर्शन करते हुए।

राज्यसभा में आप सांसद ने मानव तस्करी करने वाले नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में शुक्रवार को आम आदर्मी पार्टी के एक सांसद ने मानव तस्करी करने वाले नेटवर्क द्वारा लड़कियों को खाड़ी देशों में भेजने और उनके साथ शारीरिक शोषण एवं अमानवीय व्यवहार किए जाने के मामलों पर चिंता जताते हुए मांग की कि ऐसे नेटवर्क के खिलाफ सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

उच्च सदन में शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए आम आदमी पार्टी के संत बलवीर सिंह ने कहा कि रोजी-रोटी के खातिर हर साल लाखों भारतीय विदेश जाते हैं तथा वहां मेहनत करके देश का नाम ऊंचा करते हैं। ऐसे लोग अपने इलाके के विकास के लिए बड़ा योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय विशेषकर पंजाबियों की विदेश जाने की इस चाहत को देखते हुए कुछ ट्रैवल एजेंटों ने मानव तस्करी का नेटवर्क बनाया हुआ है। ऐसे लोग गरीब लड़कियों को अपना निशाना बनाते हैं तथा खाड़ी देशों में बेचने का काम करते हैं। सिंह ने कहा कि ओमान, इराक से लेकर मुंबई तक ऐसी 135 लड़कियों को भारतीय दूतावास की मदद से मुक्त कराया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी लड़कियों को पर्यटन वीजा पर लेकर जाया जाता है और वहां उनके साथ अरबी भाषा में करार किया जाता है एवं उनका शारीरिक शोषण किया जाता है।

दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी बनने के 95वें वर्ष के अवसर पर मोदी ने नए पीएमओ भवन का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की नई इमारत 'सेवा तीर्थ' का उद्घाटन शुक्रवार को उस ऐतिहासिक तिथि पर किया जब नई दिल्ली को औपचारिक रूप से भारत की आधुनिक राजधानी बनाए जाने के 95 वर्ष पूरे हुए हैं।

नई दिल्ली को 13 फरवरी, 1931 को देश की राजधानी बनाए जाने के समारोह के बाद से बहुत कुछ बदल चुका है। भारत को 1947 में स्वतंत्रता मिली, तीन साल बाद देश गणतंत्र बना और वह अब अपनी राह स्वयं तय कर रहा है। इन निर्णायक पड़ावों के दौरान राजधानी के केंद्र में स्थित रायसीना हिल परिसर समय का मूक प्रहरी बनकर खड़ा रहा है। शुक्रवार को यह प्रतिष्ठित स्थल एक और महत्वपूर्ण घटना का साक्षी बना जब इसके ही नजदीक नए पीएमओ भवन का उद्घाटन किया गया।

सेवा तीर्थ में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय हैं, जो पहले सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में ही अलग-अलग स्थानों पर स्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी ने नए परिसर में सेवा तीर्थ की पट्टिका का अनावरण किया, जिसपर देवनागरी लिपि में नाम अंकित है। इसके नीचे आदर्श वाक्य ''नागरिक देवो भव'' लिखा है। प्रधानमंत्री का शुक्रवार को ही रायसीना हिल परिसर के पास निर्मित कर्तव्य भवन-एक और दो का भी उद्घाटन करने का कार्यक्रम है। नए कर्तव्य भवन-एक और दो में कानून, रक्षा, वित्त, स्वास्थ्य, कृषि और कई अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालय स्थित होंगे। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में उद्घाटन की तस्वीरों को साझा करते हुए पोस्ट किया, ''देशवासियों की सेवा के अटूट संकल्प और 'नागरिक देवो भव' की पावन भावना के तहत, आज 'सेवा तीर्थ' को राष्ट्र को समर्पित करने का सौभाग्य मिला।'' उन्होंने कहा, ''सेवा तीर्थ कर्तव्य, करुणा और राष्ट्र प्रथम के लिए हमारी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। मेरी कामना है कि यह आने वाली पीढ़ियों को निःस्वार्थ सेवा और जन-जन के कल्याण के लिए समर्पित होकर आगे बढ़ने को प्रेरित करता रहेगा।'' मोदी ने परिसर के उद्घाटन के बाद सेवा तीर्थ में कुछ फाइलों पर हस्ताक्षर किए, जिनसे गरीबों, दलितों, किसानों, युवा शक्ति और नारी शक्ति को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। यह उद्घाटन महज प्रतीकात्मक नहीं था, क्योंकि नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक 1931 से ही सत्ता के केंद्र थे।

नॉर्थ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और वित्त मंत्रालय स्थित थे, जिनमें से दोनों लगभग ब्रिटिश-युग की इमारत से बाहर स्थानांतरित हो चुके हैं, जबकि साउथ ब्लॉक में रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय स्थित थे।

वनराखी मूवमेंट के स्वर्ण जयंती पर 'पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर' का हुआ उदघाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छतरपुर। विश्वव्यापी संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह वनराखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल किशोर जायसवाल द्वारा चलाए जा रहे वनराखी मूवमेंट के 50 वर्ष पूरा होने पर डाली में आयोजित स्वर्ण जंयती समारोह के मुख्य अतिथि अमेरिका के प्रख्यात लेखक शोधकर्ता व पर्यावरणविद् जार्ज जेम्स, कर्नाटक के एपिको आंदोलन के प्रणेता पांडुरंग हेगड़े व डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने मोहनलाल खुर्जा पार्वती पार्क में नवनिर्मित पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का उदघाटन किया। उदघाटन के पूर्व अतिथियों द्वारा जैविक उद्यान में थाईलैंड के आम का पौधा लगाया व वृक्षों में रक्षा सूत्र बांधकर वृक्षों को बचाने का संकल्प लिया। पर्यावरणविद डॉ कौशल ने अतिथियों सहित पर्यावरण प्रेमियों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्रों का शपथ दिलाया। समारोह की अध्यक्षता छतरपुर के जिप सदस्य अमित कुमार जायसवाल ने की। संचालन शालिनी सिन्हा ने किया।

अमेरिका से विमानों के आयात से कम हो सकता है हवाई किराया : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को उम्मीद जताई कि अंतरिम व्यापार समझौते के तहत भारत, अमेरिका से लगभग 100 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के विमान, इंजन और कलपुर्जों का आयात करेगा। उन्होंने कहा कि विमानों के आयात से पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है और हवाई किराए में कमी आ सकती है।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के ढांचे पर दोनों पक्षों द्वारा शनिवार को जारी एक संयुक्त बयान के अनुसार, भारत ने अगले पांच वर्षों में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान के कल-पुर्जे, कीमती धातुएं, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोकिंग कोयला खरीदने का इरादा व्यक्त किया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अपने इस्पात उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कोकिंग कोयले की आवश्यकता है और अमेरिका इस वस्तु का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। गोयल ने ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट में कहा, हमें उम्मीद है कि हम और अधिक विमान देश में ला सकेंगे, जो हमारे पर्यटन के लिए अच्छा होगा, हमारे आवागमन को बेहतर बनाएगा और उम्मीद है कि सभी के लिए हवाई किराया कम करेगा।

बजट सत्र के पहले चरण में राहुल गांधी का आचरण अराजक, अलोकतांत्रिक रहा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि शुक्रवार को समाप्त हुए संसद के बजट सत्र के पहले चरण के दौरान उनका आचरण ''अराजक, अलोकतांत्रिक और राजनीतिक रूप से असभ्य'' रहा।

यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रविशंकर प्रसाद ने आरोप लगाया कि गांधी के इशारे पर सत्र के दौरान जिस तरह से कांग्रेस सदस्यों ने व्यवहार किया, उससे यह स्पष्ट हो गया कि वह सदन की किसी भी ''लोकतांत्रिक प्रक्रिया, लोकतांत्रिक गरिमा, संवैधानिक मर्यादा और नियमों'' में विश्वास नहीं करते हैं। भाजपा सांसद ने कहा, ''वह (राहुल गांधी) वही करेंगे जो उन्हें पसंद है...यह चिंता की बात है कि राहुल गांधी का पूरा आचरण अब अराजक होता जा रहा है।'' प्रसाद ने आरोप लगाया कि गांधी की संपूर्ण राजनीतिक कार्यशैली अब अराजकता का स्वरूप लेती जा रही है और कांग्रेस नेता सत्र के दौरान ''मानदंडों, संसदीय प्रक्रियाओं, संवैधानिक नियमों और लोकतांत्रिक परंपराओं'' के प्रति कोई सम्मान नहीं दिखा रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''भाजपा राहुल गांधी के इस बड़े पैमाने पर अराजक, अलोकतांत्रिक और राजनीतिक रूप से असभ्य व्यवहार की कड़ी निंदा करती है। गांधी योग्यता या प्रतिभा से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) नहीं बने हैं। नेता प्रतिपक्ष का पद संभालने के बाद उन्हें कुछ बातें सीखनी चाहिए।''

भाजपा को 2024-25 में 3,826.35 करोड़ रुपए का चंदा मिलाः एडीआर

नई दिल्ली/भाषा। वित्त वर्ष 2024-25 में विभिन्न चुनावी ट्रस्ट को 3,826.34 करोड़ रुपए का चंदा प्राप्त हुआ और उन्होंने 3,826.35 करोड़ रुपए राजनीतिक दलों को वितरित किए, जिनमें से 82 प्रतिशत से अधिक राशि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) ने शुकवार को यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग को प्रस्तुत किए किए दस्तावेजों के विश्लेषण पर आधारित अपनी नवीनतम रिपोर्ट में एडीआर ने कहा कि 20 पंजीकृत चुनावी ट्रस्ट में से 10 ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान चंदा प्राप्त होने की जानकारी दी है, जबकि पांच ट्रस्ट की रिपोर्ट अंतिम तिथि के तीन महीने बाद भी आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं थी। एडीआर के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनियों और व्यक्तियों से कुल 3,826.3417 करोड़ रुपए प्राप्त हुए और 3,826.3522 करोड़ रुपए विभिन्न राजनीतिक दलों को वितरित किए गए। यह उन नियमों के अनुरूप है, जिनके तहत ट्रस्ट को वर्ष में प्राप्त अंशदान का कम से कम 95 प्रतिशत वितरित करना अनिवार्य है।

आरबीआई ने अग्रणी बैंक योजना में संशोधन के प्रस्ताव जारी किए

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 'अग्रणी बैंक योजना' (एलबीएस) के परिचालन ढांचे को सुव्यवस्थित करने और कार्यक्रम की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए शुक्रवार को संशोधित दिशानिर्देश प्रस्तावित किए। यह योजना वर्ष 1969 में जिला स्तर पर विकास गतिविधियों के समन्वय के लिए शुरू की गई थी। एलबीएस का उद्देश्य बैंकों, सरकार और अन्य विकास एजेंसियों की गतिविधियों का समन्वय कर प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में ऋण प्रवाह बढ़ाना और वित्तीय समावेश को मजबूती देना है। प्रस्तावित दिशानिर्देशों में योजना के उद्देश्यों को परिष्कृत करने, विभिन्न मंचों की संरचना, सदस्यता एवं कार्यसूची को स्पष्ट करने, प्रमुख पदाधिकारियों की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों को निर्धारित करने और राज्य-स्तरीय बैंकर समिति (एसएलबीसी) और अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालयों को मजबूत बनाने के प्रावधान शामिल हैं। आरबीआई के मसौदा परिपत्र के मुताबिक, केंद्रीय बैंक हरेक जिले में एक वाणिज्यिक बैंक को अग्रणी बैंक के रूप में नामित करेगा, जो ऋण संस्थानों, सरकार और अन्य हितधारकों के प्रयासों का समन्वय कर प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में ऋण प्रवाह और वित्तीय समावेश को बढ़ावा देगा। एसएलबीसी संयोजक बैंक राज्य में सभी बैंकों की गतिविधियों का समन्वय करेंगे और ऋण वितरण में आने वाली परिचालन संबंधी समस्याओं पर राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ नियमित चर्चा करेंगे।

सरकार ने 25 लाख टन गेहूं के निर्यात को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को घरेलू बाजारों को स्थिर करने और किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए गेहूं का 25 लाख टन निर्यात करने की मंजूरी दे दी। इसके साथ पांच-पांच लाख टन गेहूं उत्पाद और चीनी के अतिरिक्त निर्यात को भी मंजूरी दी गई है।

खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि वर्तमान उपलब्धता और मूल्य परिदृश्य का व्यापक आकलन करने के बाद यह निर्णय लिया गया है। यह किसानों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बयान में कहा गया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान निजी इकाइयों के पास लगभग 75 लाख टन गेहूं का भंडारण उपलब्ध है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 32 लाख टन अधिक है।

मंत्रालय ने कहा कि एक अप्रैल, 2026 तक भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के केंद्रीय भंडार में गेहूं की कुल उपलब्धता लगभग 182 लाख टन होने का अनुमान है। इससे निर्यात अनुमति से घरेलू खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

रबी 2026 में गेहूं की खेती का रकबा भी बढ़कर लगभग 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया जो पिछले वर्ष 328.04 लाख हेक्टेयर था। यह सुनिश्चित एमएसपी और खरीद व्यवस्था द्वारा समर्थित गेहूं की खेती में किसानों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है और एक और मजबूत फसल की संभावना का संकेत देता है।

मंत्रालय ने कहा कि अधिक भंडार, कीमतों में गिरावट, उम्मीद से ज्यादा उत्पादन और फसल की बड़ी आवक के दौरान मजबूरी में बिक्री रोकने की जरूरत को ध्यान में रखते हुए सरकार का यह निर्णय घरेलू कीमतें स्थिर करने, बाजार में तरलता बढ़ाने, भंडारण का सही उपयोग सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ किसानों की आय मजबूत करने में मदद करेगा।

चीनी निर्यात को सुगम बनाने के लिए सरकार ने चालू चीनी सत्र 2025-26 के दौरान इच्छुक चीनी मिलों द्वारा अतिरिक्त पांच लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति देने का निर्णय लिया है।

इससे पहले, सरकार ने 14 नवंबर, 2025 के आदेश के माध्यम से चालू चीनी सत्र के दौरान 15 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी थी।

चीनी मिलों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 31 जनवरी, 2026 तक केवल लगभग 1.97 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया है। इसके अतिरिक्त, चीनी मिलों द्वारा लगभग 2.72 लाख टन चीनी के निर्यात के लिए अनुबंध किए गए हैं। इच्छुक चीनी मिलों को पांच लाख टन की अतिरिक्त निर्यात मात्रा उपलब्ध कराई जाएगी, बशर्ते कि उन्हें आवंटित मात्रा का कम- से-कम 70 प्रतिशत 30 जून, 2026 तक निर्यात करना होगा। निर्यात कोटा इच्छुक चीनी मिलों में आनुपातिक आधार पर बांटा जाएगा और मिलों को आदेश जारी होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर अपनी सहमति प्रस्तुत करनी होगी।

मंत्रालय ने कहा कि इस प्रकार आवंटित निर्यात कोटा किसी अन्य चीनी मिल के साथ अदला-बदली या विनिमय नहीं किया जाएगा। इस निर्णय से चीनी निर्यात को बढ़ाने और देश में अतिरिक्त चीनी की उपलब्धता के प्रबंधन में मदद मिलने की उम्मीद है।

छत्तीसगढ़ में 2024 से अब तक 532 नक्सली मारे गए : विजय शर्मा

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में जनवरी 2024 से अब तक 532 नक्सली मारे गए हैं, 2004 गिरफ्तार किए गए हैं और 2,700 ने आत्मसमर्पण किया है।

शर्मा ने कहा कि सरकार 31 मार्च तक माओवादी समस्या का अंत करने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने गृह विभाग की उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा कि निरंतर सुरक्षा अभियान व पुनर्वास प्रयासों से नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''नक्सलवाद के खिलाफ सरकार का संकल्प स्पष्ट है। हम पूरी ताकत से काम कर रहे हैं ताकि 31 मार्च, 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का पूर्ण सफाया हो जाए।'' सुरक्षा बलों ने जनवरी 2024 से अब तक एके-47 राइफल, इंसास राइफल, सेल्फ लोडिंग राइफल, लाइट मशीन गन, मोर्टार और पिस्तौल समेत लगभग 1,100 हथियार बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि माओवादी संगठन के पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के छह सदस्य मारे गए हैं, जबकि दो ने आत्मसमर्पण कर दिया है।

देहरादून में खनन कारोबारी की गोली मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। देहरादून शहर में राजपुर रोड पर सिल्वर सिटी सिनेमा के पास शुक्रवार को खनन कारोबारी विक्रम शर्मा की अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस को मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शर्मा और उसके साथी अखिलेश सिंह के गिरोह के खिलाफ झारखंड समेत विभिन्न राज्यों में हत्या और अपहरण सहित करीब 50 मुकदमे दर्ज हैं।

देहरादून के पुलिस अधीक्षक (नगर) प्रमोद कुमार ने बताया कि घटना पूर्वाह्न 10:15 बजे पार्श्वनाथ एलेगेंजा मॉल में हुई जब शर्मा (50) पहली मंजिल पर बने जिम से बाहर आने के बाद सीढ़ियों से उतर रहा था। उन्होंने कहा कि शर्मा पर हमलावरों ने नजदीक से गोली चलाई, जिसके बाद वह सीढ़ियों पर गिर गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने बताया कि उसके खिलाफ ज्यादातर मामले झारखंड में दर्ज हैं।

अधिकारियों के अनुसार पता चला है कि देहरादून में शर्मा का एक फ्लैट है जहां वह अक्सर आता रहता था। उन्होंने कहा कि इसके अलावा यह जानकारी भी मिली है कि उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जिले के बाजपुर में उसका 'स्टोन क्रशर' का कारोबार है।

अधिकारियों ने कहा कि यह भी पता चला है कि आठ साल पहले झारखंड पुलिस उसे यहां से गिरफ्तार करके ले गई थी। पुलिस को संदेह है कि शर्मा की हत्या गैंगवार के तहत की गई।

पुलिस ने बताया कि वारदात के बाद घटनास्थल से फरार हुए हमलावरों की तलाश की जा रही है और शहर में नाकाबंदी करके सघन जांच अभियान शुरू किया गया है। वारदात स्थल के पास स्थित 'एडिडास' की दुकान के कर्मचारियों ने बताया कि गोलियों की आवाज सुनने के बाद वह कुछ समझ नहीं पाए, लेकिन बाद में वे भागकर बाहर पहुंचे तो सीढ़ियों पर लहुलुहान हालात में शर्मा पड़ा हुआ था। कर्मचारियों ने बताया कि शर्मा ने कई बार उनकी दुकान से सामान खरीदा था। पिछले 15 दिन में शहर में सरेआम तीन लोगों की हत्या के बाद दहशत का माहौल है। शहर के बीचों बीच स्थित तिब्बती मार्केट के बाहर बुधवार को दिनदहाड़े एक गैस एजेंसी के मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जबकि दो फरवरी को मच्छी बाजार में 22 वर्षीय युवती को धारदार हथियार से गला रेतकर मार डाला गया था।

सुनेत्रा पवार जल्द ही राकांपा प्रमुख के तौर पर पदभार संभालेंगी : प्रफुल्ल पटेल

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी की तत्काल प्राथमिकता संगठन को मजबूत करना और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार का समर्थन करना है, जो अजित पवार के निधन के बाद अगले पखवाड़े में राकांपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालेंगी।

पटेल ने पत्रकारों को बताया कि सुनेत्रा पवार इस पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार हैं और जल्द ही औपचारिक रूप से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेंगी। उन्होंने राकांपा और शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (शप) के विलय से संबंधित मुद्दों पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा, ''आइए पहले सुनेत्रा पवार के समर्थन में एकजुट होने और पार्टी के भीतर की प्रक्रियाओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करें। हम आने वाले समय में राज्य में पार्टी के आधार को मजबूत करने पर भी ध्यान देंगे।''

तिरुपति के लड्डुओं में मिलावट को छिपाना 'अपवित्रता': नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति के लड्डुओं में मिलावट के आरोपों को सार्वजनिक करने के अपनी सरकार के फैसले का शुक्रवार को बचाव करते हुए कहा कि इस मामले को छिपाना 'धर्म का अपमान' होगा। मुख्यमंत्री ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जांच के निष्कर्षों को छुपाना जनता के भरोसे के साथ विश्वासघात होगा।

नायडू ने कहा कि भविष्य में अगर कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो सरकार को जवाबदेह ठहराया जाएगा। नायडू ने सितंबर 2024 में दावा किया था कि राज्य में वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के दौरान तिरुपति लड्डुओं को बनाने में पशु वसा का इस्तेमाल किया गया था। इन आरोपों के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। आंध्र प्रदेश में 2024 में राजग विधायक दल की बैठक के दौरान नायडू ने आरोप लगाया था कि पिछली सरकार ने वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और करोड़ों भक्तों द्वारा पूजनीय व पसंद किए जाने वाले लड्डू बनाने में घटिया सामग्री व पशु वसा का इस्तेमाल किया। इन आरोपों से देशभर में हिंदू समुदाय के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची थी। नायडू ने कहा, अगर हम (लड्डू में मिलावट) का खुलासा नहीं करते, तो यह हमारे लिए घोर पाप होता। कल यह सवाल उठेगा: आपने (सरकार ने) क्यों नहीं बताया? मुख्यमंत्री ने सदन में जनता को आश्वस्त किया कि राज्य के सभी मंदिरों को शुद्ध कर दिया गया है। उन्होंने कहा, किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोई गुंजाइश नहीं है। राजग सरकार हर मंदिर की पवित्रता बनाए रखने की जिम्मेदारी लेगी और मैं जनता से यही दोहरा रहा हूं। इसके अलावा, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने वाईएसआरसीपी नेताओं द्वारा उनके परिवार के स्वामित्व वाली डेयरी कंपनी 'हेरिटेज फूड्स' को लड्डू में मिलावट के विवाद से जोड़ने के आरोपों पर नाराजगी व्यक्त की। नायडू ने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा। मुझे नहीं पता कि हेरिटेज का इससे (लड्डू में मिलावट से) क्या लेना-देना है। अब तक हेरिटेज ने सरकार से कोई पैसा नहीं मांगा है। भविष्य में भी नहीं मांगेगी। उन्होंने 'हेरिटेज फूड्स' को पेशेवरों द्वारा संचालित एक 'पारिवारिक व्यवसाय' बताते हुए वाईएसआरसीपी नेताओं पर इसकी प्रतिष्ठा को 'खराब' कर इसे आर्थिक नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। नायडू ने तेदेपा सरकार की लगभग 20 महीनों की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

एआई बीमारियों के निदान, परामर्श को आसान बना रहा : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्रौद्योगिकियों को शामिल कर पिछले चार वर्षों में अपनी सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में मौलिक रूप से बदलाव किया है, ताकि विशेषज्ञों की कमी दूर करने के साथ-साथ सक्रिय देखभाल का दायरा बढ़ाया जा सके। एक आधिकारिक बयान में कहा है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुरू किए विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अपनाई एआई आधारित प्रौद्योगिकियां पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञता को सुलभ बना रही हैं। एआई आधारित प्रौद्योगिकियों को राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय मधुमेह रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग कार्यक्रम और 'मीडिया रोग निगरानी प्रणाली' में शामिल करके सरकार ने गैर-विशेषज्ञों को उच्च स्तरीय जांच एवं निदान में सक्षम बनाया है, जिससे टीबी के 4,500 से अधिक मामलों की पहचान की जा सकी है और इलाज के नकारात्मक परिणामों में 27% की कमी लाना संभव हुआ है। इसमें कहा है कि 'ई-संजीवनी' और उद्योगयंत्र एआई प्रणाली के जरिये इस बदलाव को और भी मजबूती मिली है।

स्टालिन ने 1.31 करोड़ महिलाओं के खाते में पांच-पांच हजार रुपये सहायता राशि जमा करने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने महिला लाभार्थी योजना के तहत 1.31 करोड़ लाभार्थियों के खाते में पांच-पांच हजार रुपये जमा किए हैं। विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले उठाए गए इस कदम की विपक्षी दल आलोचना कर रहे हैं और इसे चुनाव में 'हार के डर'' से उठाया गया कदम बता रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि अगर आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पार्टी सत्ता में आती है तो वे मासिक सहायता दोगुनी करके 2,000 रुपये कर देंगे। उन्होंने बताया कि कलैगनार महिला पात्रता योजना के लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 5,000 रुपये जमा कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, आपको आज सुबह 5,000 रुपये मिल गए होंगे। मैंने यह राशि इसलिए प्रदान करने का निर्णय लिया है क्योंकि कुछ स्वार्थी तत्व आगामी चुनाव का हवाला देकर योजना को स्थगित करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा, इसलिए, महिलाओं को मिलने वाली मासिक वित्तीय सहायता से वंचित करने के प्रयास का मुकाबला करने के लिए हमने फरवरी से तीन महीने तक यह राशि प्रदान करने तथा इसके अलावा गर्मियों के दौरान उनके खर्चों को पूरा करने के लिए 2,000 रुपये भी प्रदान करने का निर्णय लिया है।''

स्टालिन ने संदेश में कहा, ''इतना ही नहीं, द्रमुक के इस साल सत्ता में वापस आने के बाद 1,000 रुपये की मासिक राशि बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दी जाएगी।'' द्रमुक के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा, ''मैं बहनों से अपील करता हूं कि वे अपने बच्चों की शिक्षा संबंधी जरूरतों, दवाइयों या अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए इस राशि का विवेकपूर्ण उपयोग करें।'' उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी सत्ता में वापस आएगी। स्टालिन ने कहा कि जब उन्होंने 2021 में मुख्यमंत्री का पदभार संभाला तो उनकी सरकार को महामारी और पिछली अन्नाद्रमुक (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) सरकार द्वारा छोड़े गए ''वित्तीय संकट'' सहित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा, ''हमने आपकी आजीविका की रक्षा के लिए 4,000 रुपये की राहत राशि प्रदान की। पिछली अन्नाद्रमुक सरकार द्वारा छोड़े गए गंभीर वित्तीय संकट से उबरने के बाद, हमने कई योजनाएं लागू कीं।'' इस आलोचना के बावजूद कि यह योजना व्यावहारिक नहीं है, सरकार ने सितंबर 2023 से 1,000 रुपये की 'कलैगना मगलीर उरिमाई थोगई' योजना को सफलतापूर्वक लागू किया। शुरू में 1.13 करोड़ महिलाओं के लिए और बाद में इसका विस्तार कर इसमें परिवार की कई महिला मुखिया राशन कार्डधारकों को शामिल किया गया, इस तरह आज कुल लाभार्थियों की संख्या 1.31 करोड़ हो गई है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता एडप्पडी के. पलानीस्वामी ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''यह घोषणा मुख्यमंत्री के चुनाव में हार के डर को दर्शाती है।'' पलानीस्वामी ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार ने सत्ता में आने के बाद 28 महीनों तक इस योजना को लागू नहीं किया, अब तीन महीने की किस्त के साथ ग्रीष्मकालीन विशेष अनुदान दे रही है।'' उन्होंने दावा किया कि अन्नाद्रमुक ने इस वर्ष अपनी पार्टी के नेतृत्व में राज्य में अगली सरकार बनने पर परिवार की महिला मुखियाओं को 2,000 रुपये की मासिक सहायता प्रदान करने का वादा किया था जिसके चुनावी वादे के बाद स्टालिन ने मासिक राशि में वृद्धि की। अभिनेता से नेता बने विजय ने आश्चर्य जताया कि क्या गर्मी सिर्फ इस साल ही आई है, जिससे मुख्यमंत्री ने 2,000 रुपये का विशेष अनुदान घोषित किया। तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) के संस्थापक ने राज्य सरकार से मासिक सहायता राशि को हर महीने की निर्धारित 15 तारीख से दो दिन पहले वितरित करने पर सवाल उठाया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और पूर्व राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने इस घोषणा की कड़ी निंदा करते हुए कहा, ''मुख्यमंत्री ने चुनाव में हार के डर से यह घोषणा की है।'' अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के महासचिव टी टी वी दिनाकरन ने कहा कि अगर द्रमुक सरकार हर महिला को 50,000 रुपये भी प्रदान करती है, तो भी सत्तारूढ़ पार्टी को चुनाव में निश्चित रूप से हार का सामना करना पड़ेगा। द्रमुक की सहयोगी कांग्रेस ने इस कदम का स्वागत किया और कहा कि इससे महंगाई के बोझ तले दबे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को वास्तव में राहत मिलेगी।

पीएमके संस्थापक ने निष्कासित सदस्यों पर उन्हें राजनीति से बाहर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विलुप्पुरम। पीएमके संस्थापक एस. रामदास ने आरोप लगाया है कि पार्टी से निष्कासित कुछ लोग दुष्प्रचार के जरिए उन्हें सक्रिय राजनीति से बाहर करने की कोशिश कर रहे हैं।

रामदास ने थैलापुरम स्थित अपने आवास पर बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि पार्टी से निष्कासित लोगों का यह गुट 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले उनके नेतृत्व और पार्टी के हितों को कमजोर करने के लिए लगातार झूठ का सहारा ले रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग उन्हें और वरिष्ठ नेता जी.के. मणि के प्रति ''अभद्र भाषा'' का इस्तेमाल कर रहे हैं। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक ने पार्टी के 'आम' चुनाव चिह्न को लेकर निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर भी चिंता जताई।

उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग ने उनके अलग रह रहे पुत्र अनबुमणि रामदास के पते पर पत्र भेजा, जबकि दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था कि नेतृत्व से जुड़े विवाद का निस्तारण सक्षम न्यायालय में होना चाहिए। पार्टी में आंतरिक मतभेद पिछले वर्ष उस समय और गहरा गया था जब अनबुमणि रामदास को ''कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों'' के आरोप में प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था। हालांकि प्रतिद्वंद्वी गुट का दावा है कि यह निष्कासन अमान्य है और निर्वाचन आयोग उनके पक्ष को ही वैध नेतृत्व के रूप में मान्यता देता है।

एस. रामदास ने कहा कि आगामी राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संभावित गठबंधनों पर चर्चा जारी है और अंतिम निर्णय शीघ्र सार्वजनिक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह पार्टी को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का डटकर मुकाबला करते रहेंगे। उत्तर तमिलनाडु में प्रभाव रखने वाली पीएमके में जारी यह रस्साकशी फिलहाल कानूनी समीक्षा के दायरे में है, क्योंकि दोनों गुट पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर दावा कर रहे हैं।

तमिलनाडु सांसद ने पोन्नैयार जल आपूर्ति परियोजना के लिए केंद्र से अनुमति की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम की एक सदस्य ने शुक्रवार को राज्यसभा में पोन्नैयार नदी में जल स्तर घटने के बाद इस नदी से होने वाली जल आपूर्ति परियोजना को लेकर चिंता जताई और क्षेत्र में कृषि संकट से निपटने के लिए सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए द्रमुक सदस्य राजाति ने कावेरी नदी से पंपिंग प्रणाली के माध्यम से पोन्नैयार नदी में जल आपूर्ति बढ़ाने का प्रस्ताव भी दिया।

उन्होंने कहा, यदि यह योजना लागू हुई, तो यह सैकड़ों गांवों के किसानों के लिए लाभकारी होगी और क्षेत्र में जल आपूर्ति बहाल करेगी।

उन्होंने बताया कि पोन्नैयार नदी में जल प्रवाह हाल के वर्षों में लगातार बाढ़ और अन्य कारकों के कारण काफी घट गया है, जिससे 2,834 एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि प्रभावित हुई है और भूजल स्तर में कमी आई है।

इससे क्षेत्र के किसान गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। राजाति ने इस संकट को हल करने के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से अपील की कि प्रस्तावित परियोजना के अनुमोदन और कार्यान्वयन में तेजी लाकर प्रभावित किसान समुदाय को राहत प्रदान की जाए।

टीवीके ने खुद को तमिलनाडु में एक प्रमुख ताकत के रूप में स्थापित कर लिया है : विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने शुक्रवार को दावा किया कि उनकी पार्टी ने अपनी स्थापना के केवल दो साल के भीतर तमिलनाडु की प्रमुख ताकत के रूप में खुद को स्थापित कर लिया है और जनता में इसका समर्थन आधार 30 प्रतिशत से भी अधिक हो गया है। विजय ने कहा कि वह यह साबित करेंगे कि जनता से प्रेम करने वालों के लिए सुशासन संभव है। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं को चुनौती दी कि वे अपनी खुद की पार्टी बनाएं और कम से कम एक प्रतिशत मत हासिल करके दिखायें।

विजय ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि टीवीके की स्थापना न तो किसी पार्टी को खत्म करने के लिए की गई थी और न ही उनके मन में किसी के प्रति कोई व्यक्तिगत द्वेष या आक्रोश था। उन्होंने कहा, हम राजनीति में इसलिए आए हैं ताकि हम जनता की सेवा करके उनका आभार व्यक्त कर सकें; हमारा उद्देश्य लोगों के बीच नफरत फैलाना या विरोध की राजनीति करना नहीं है।

विजय ने कहा कि जो प्रतिद्वंद्वी टीवीके को किसी पार्टी की ''बी-टीम'' कहते हैं, वे केवल अपनी अक्षमता को छिपाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने पूछा, सत्ता का दुरुपयोग करके लोगों का पैसा लूटने के अलावा, क्या उनके पास कोई और अनुभव है? उन्होंने कहा कि'' सुशासन के लिए केवल जनता से प्रेम करने का ''अच्छा गुण'' ही आवश्यक है और इस गुण से लैस होकर हम वास्तव में एक उत्कृष्ट शासन प्रदान कर सकते हैं।'' विजय ने उन स्थापित पार्टियों के नेताओं को चुनौती दी जिनकी स्थापना उन्होंने नहीं की थी और पूछा कि क्या उनमें उनके समान अपनी पार्टी शुरू करने और यह साबित करने का साहस और क्षमता है कि वे कम से कम एक प्रतिशत मत हासिल कर सकें। उन्होंने दावा किया कि द्रमुक और अन्नाद्रमुक दोनों ही गठबंधन पार्टियों पर पूरी तरह से निर्भर थीं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने अकेले दम पर दो वर्षों में तमिलनाडु में द्रविड़ पार्टियों को पीछे छोड़ते हुए एक प्रमुख ताकत के रूप में उभर कर अपनी पहचान बनाई है।

विजय ने पूछा कि जनता के बीच टीवीके का समर्थन आधार ''30 प्रतिशत'' से अधिक हो गया है, तो क्या यह कहना सही है कि ऐसी पार्टी के पास अनुभव नहीं है? उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''हमें लूटपाट का बिल्कुल भी अनुभव नहीं है और हम इसे कभी सीखेंगे भी नहीं।''

सभी को मिलेगा सामाजिक न्याय का शासन : विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने शुक्रवार को कहा कि सहयोगियों के साथ सत्ता साझा करने का उनका प्रस्ताव तमिलनाडु में एक राजनीतिक बम बन गया है और सभी गठबंधनों में इसकी मांग की जा रही है, जिससे द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन घबरा गए हैं। द्रमुक ने कांग्रेस के साथ सत्ता साझा करने से इनकार कर दिया है। विजय ने यहां सीलानैकेनपट्टी में एक रैली को संबोधित करते हुए मतदाताओं को आवश्वासन दिया कि यदि वह सत्ता में आते हैं तो सामाजिक न्याय प्रदान करने वाला शासन सुनिश्चित करेंगे।

विजय ने कहा, ''क्या आपको विक्रवंडी रैली में मेरा राजनीतिक बम याद है, सत्ता साझा करने की पेशकश? अब यह सभी गठबंधनों में धड़ाधड़ फट रहा है। मुख्यमंत्री स्टालिन घबरा गए हैं और उनका कहना है कि ''सत्ता साझा करना तमिलनाडु के हित में नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि द्रमुक के लिए गठबंधन केवल जीत हासिल करने के लिए है और शासन जैसे बाकी सभी मामलों में वे अकेले ही काम करेंगे। विजय ने यहां सीलानैकेनपट्टी में रैली को संबोधित करते हुए मतदाताओं को आश्वासन दिया कि यदि वह सत्ता में आते हैं तो सामाजिक न्याय प्रदान करने वाला शासन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने पूछा क्या आलोचकों को ''उनके घर'' के बारे में पता है, कि यह उनकी मातृभूमि तमिलनाडु है जहां आठ करोड़ लोग रहते हैं और वे उनका परिवार हैं।

टीवीके प्रमुख विजय को लोगों की कोई परवाह नहीं, वह सिर्फ मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं': द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने टीवीके के संस्थापक विजय पर पार्टी की तीखी आलोचना करने के लिए शुक्रवार को निशाना साधा और कहा कि वह केवल मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं''।

अभिनेता से नेता बने विजय के इस दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) 2026 के आगामी विधानसभा चुनावों में विजयी होगी, द्रमुक नेता टी के एस एलंगोवन ने कहा कि अतीत में कई अभिनेताओं ने राजनीतिक दल बनाए और भारी भीड़ जुटाई, लेकिन वे अपनी उपस्थिति बनाए रखने में विफल रहे। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''विजय ने जनता के हित में किसी आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया है। उनका इरादा जनता का हित नहीं है; वह बस मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं।'' सत्ता में आने पर सामाजिक न्याय पर आधारित शासन का आश्वासन देते हुए, विजय ने सेलम में एक रैली को संबोधित करते हुए द्रमुक पर सत्ता-साझेदारी और पैसे के माध्यम से वोट खरीदने समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर निशाना साधा। एलंगोवन ने कहा कि द्रमुक सरकार की कल्याणकारी योजनाएं, जिनमें महिलाओं के लिए मासिक भत्ता भी शामिल है, वैध प्रतिबद्धताएं हैं जिन्हें भाजपा द्वारा कानूनी बाधाओं के माध्यम से इन्हें रोकने के कथित प्रयासों के बावजूद पूरा किया जा रहा है। एलंगोवन ने झूठे वादों के आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि धनराशि लाभार्थियों के खातों में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा, ''पैसा हर खाते में जमा हो चुका है। हमने दे दिया है। और हमने पहले ही कहा था कि यह पैसा अगले तीन महीनों के लिए है। हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले तीन सालों से हम हर महीने 1,000 रुपये देते आ रहे हैं।''

एलंगोवन ने कहा, ''हमारे नेता ने अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा था कि मैं यह धनराशि केवल भाजपा के हाथों से योजना को बचाने के लिए दे रहा हूं। भाजपा को महिलाओं की पीड़ा की कोई परवाह नहीं है और वे द्रमुक को मुश्किल में डालना चाहते हैं।

टीवीके सदस्यों ने मीडियाकर्मियों के साथ मारपीट की

सेलम। तमिलनाडु के सेलम में शुक्रवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के सदस्यों ने टेलीविजन पत्रकारों के साथ कथित तौर पर मारपीट की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सेलम में टीवीके की एक रैली में पार्टी प्रमुख विजय के संबोधन के दौरान एक व्यक्ति बेहोश हो गया और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र के मूल निवासी सूरज (37) सीने में दर्द की शिकायत के बाद बेहोश हो गया और उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''चिकित्सकों ने उसे अस्पताल में मृत घोषित कर दिया।'' पुलिस के अनुसार अस्पताल में इंतजार कर रहे पत्रकारों ने टीवीके के वरिष्ठ पदाधिकारी से सूरज की मौत का कारण पूछा। उन्होंने पूछा कि क्या उन्हें क्यूआर कोड वाला प्रवेश पास दिया गया था। पुलिस ने बताया हालांकि, जिला पदाधिकारी के साथ आए टीवीके के कुछ सदस्यों ने टीवी पत्रकारों को 'फुटेज' लेने से मना कर दिया और उनके साथ कथित तौर पर मारपीट की। इसने बताया कि इससे मीडियाकर्मियों और टीवीके पदाधिकारियों के बीच बहस होने लगी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों समूहों के बीच मामला शांत कराया।

टीवीके की रैली में एक व्यक्ति बेहोश, अस्पताल ले जाते समय मौत

सेलम। तमिलनाडु के सेलम में टीवीके की एक रैली में पार्टी प्रमुख विजय के संबोधन के दौरान शुक्रवार को एक व्यक्ति बेहोश हो गया और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र के मूल निवासी सूरज (37) सीने में दर्द की शिकायत के बाद बेहोश हो गया और उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''चिकित्सकों ने उसे अस्पताल में मृत घोषित कर दिया।'' उन्होंने दावा किया कि सूरज की कुछ समय पहले एंजियोप्लास्टी हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार वह व्यक्ति विजय से मिलने गया था और रैली स्थल पर प्रतीक्षा करते समय उसे बेचैनी महसूस हुई और वह बेहोश हो गया।

पुलिस ने बताया कि उसके आसपास मौजूद लोगों ने पहले सूरज को होश में लाने की कोशिश की, लेकिन बाद में उसे एम्बुलेंस से एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, जांच करने वाले चिकित्सकों ने बताया कि जब उसे अस्पताल लाया गया तब उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने दावा किया कि यह घटना विजय के जिला पदाधिकारियों की बैठक में पहुंचने से पहले ही हुई थी। अस्पताल पहुंची पुलिस की टीम द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में पता चला कि सूरज हृदय रोगी था और उसकी एक सर्जरी हुई थी। विजय की 27 सितंबर, 2025 को करूर में हुई रैली में भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के लिए टीवीके की आलोचना करते हुए, भाजपा युवा इकाई के नेता विनोद पी सेल्वम ने कहा इससे पता चलता है कि पार्टी नेता अपने कार्यकर्ताओं की सुरक्षा को लेकर कितने चिंतित हैं। सेल्वम ने पोस्ट में कहा, ''अगर पहली बार यह अनजाने में हुआ होता तो कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन यह गलती बार-बार हो रही है।'' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के प्रवक्ता ए. सरवनन ने 'एक्स' पर आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि विधानसभा चुनाव होने से पहले और कितने लोगों की मौत होगी। उन्होंने दावा किया कि टीवीके द्वारा रैली में आश्रय या पीने के पानी की व्यवस्था करने का कोई प्रबंध नहीं किया गया था।

तिरुपति के लड्डुओं में मिलावट को छिपाना 'अपवित्रता': आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति के लड्डुओं में मिलावट के आरोपों को सार्वजनिक करने के अपनी सरकार के फैसले का शुक्रवार को बचाव करते हुए कहा कि इस मामले को छिपाना 'धर्म का अपमान' होगा। मुख्यमंत्री ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जांच के निष्कर्षों को छुपाना जनता के भरोसे के साथ विश्वासघात होगा। नायडू ने कहा कि भविष्य में अगर कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो सरकार को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

नायडू ने सितंबर 2024 में दावा किया था कि राज्य में वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के दौरान तिरुपति लड्डुओं को बनाने में पशु वसा का इस्तेमाल किया गया था। इन आरोपों के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था।

आंध्र प्रदेश में 2024 में राजग विधायक दल की बैठक के दौरान नायडू ने आरोप लगाया था कि पिछली सरकार ने वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और करोड़ों भक्तों द्वारा पूजनीय व पसंद किए जाने वाले लड्डू बनाने में घटिया सामग्री व पशु वसा का इस्तेमाल किया। इन आरोपों से देशभर में हिंदू समुदाय के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची थी। नायडू ने कहा, अगर हम (लड्डू में मिलावट) का खुलासा नहीं करते, तो यह हमारे लिए घोर पाप होता। कल यह सवाल उठेगा: आपने (सरकार ने) क्यों नहीं बताया? मुख्यमंत्री ने सदन में जनता को आश्वस्त किया कि राज्य के सभी मंदिरों को शुद्ध कर दिया गया है। उन्होंने कहा, 'किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोई गुंजाइश नहीं है। राजग सरकार हर मंदिर की पवित्रता बनाए रखने की जिम्मेदारी लेगी और मैं जनता से यही दोहरा रहा हूं।' इसके अलावा, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने वाईएसआरसीपी नेताओं द्वारा उनके परिवार के स्वामित्व वाली डेयरी कंपनी 'हेरिटेज फूड्स' को लड्डू में मिलावट के विवाद से जोड़ने के आरोपों पर नाराजगी व्यक्त की।

नायडू ने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा। मुझे नहीं पता कि हेरिटेज का इससे (लड्डू में मिलावट से) क्या लेना-देना है। अब तक हेरिटेज ने सरकार से कोई पैसा नहीं मांगा है। भविष्य में भी नहीं मांगेगी।

उन्होंने 'हेरिटेज फूड्स' को पेशेवरों द्वारा संचालित एक 'पारिवारिक व्यवसाय' बताते हुए वाईएसआरसीपी नेताओं पर इसकी प्रतिष्ठा को 'खराब' कर इसे आर्थिक नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

नायडू ने तेदेपा सरकार की लगभग 20 महीनों की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। बाद में विधानसभा अध्यक्ष सी. अय्यन्नपतरुदु ने सदन को शनिवार तक के लिए स्थगित कर दिया।

राजस्थान में थैलेसीमिया के रोगियों को निशुल्क इलाज व पेंशन की सुविधा : अविनाश गहलोत

जयपुर। राजस्थान में थैलेसीमिया के 1105 रोगी हैं जिन्हें निशुल्क इलाज व पेंशन की सुविधा दी जा रही है। सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रश्नकाल में कहा कि राज्य सरकार थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी के पीड़ितों के प्रति संवेदनशील है तथा उन्हें त्वरित इलाज उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि थैलेसीमिया बीमारी से पीड़ित बच्चों की देखभाल के लिए प्रदेश में भरतपुर को छोड़कर सभी छह संभाग मुख्यालयों पर 'डे-केयर सेंटर' संचालित है।उन्होंने कहा कि इन केंद्र पर मरीजों को बिना अदला-बदली के रक्त चढ़ाया जाता है। साथ ही रोग से संबंधित जांच व थेरेपी निशुल्क कराई जाती हैं। मंत्री ने कहा कि इसके अलावा सरकार की ओर से इस रोग के इलाज में 'बोन मैरो ट्रांसप्लांट' के लिए 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। उन्होंने कहा कि मा योजना में भी इस बीमारी के निशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध है। गहलोत ने बताया कि इस समय राज्य में थैलेसीमिया के 1105 रोगी हैं और राज्य सरकार इन्हें 1250 रुपए प्रतिमाह सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने का कि इनमें से 797 रोगी 18 वर्ष तक की उम्र के हैं।

शराब समझकर पिया रसायन, तीन महिलाओं सहित चार की मौतः पुलिस

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में कुछ लोगों ने संदिग्ध पदार्थ (रसायन) को शराब समझकर पी लिया जिससे तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना जिले के अलोली गांव में बृहस्पतिवार रात को हुई। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि इन चारों की मौत संदिग्ध पदार्थ के सेवन से हुई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार इन चारों ने शादी में खाना गर्म रखने के लिए ईंधन के रूप में उपयोग किया जाने वाला 'मेथनॉल कार्बनिक सॉल्ट' गलती से शराब समझकर पी लिया, जिससे उनकी मौत हो गई।उन्होंने बताया कि एफएसएल टीम ने घटनास्थल से नमूने लिए हैं। वहीं शवों का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड द्वारा करवाया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार एक समुदाय की कुछ महिलाएं अलोली गांव में एक विवाह कार्यक्रम में बर्तन मांजने आदि के काम के लिए गई थीं। वहां से वे शादी के टेंट में रखी प्लास्टिक की चार बोतल चोरी छुपे ले आईं जिनमें पानी जैसा पदार्थ भरा था। बृहस्पतिवार को परिवार के कुछ लोगों ने इस पदार्थ को शराब समझकर पीना शुरू कर दिया। इससे उनकी हालत बिगड़ गई व उल्टियां होने लगीं। परिवार के लोग बृहस्पतिवार रात उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंगापुर ले गए। पुलिस के अनुसार इलाज के दौरान जमनी बाई (62), सुशीला देवी (48) व रतन (49) की मृत्यु हो गई। वहीं बदामी देवी की भीलवाड़ा के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में संदिग्ध तस्कर की मौत

जयपुर। राजस्थान के पाली जिले में बृहस्पतिवार देर रात को पुलिस के साथ हुई गोलीबारी में संदिग्ध मादक पदार्थ तस्कर मारा गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मादक पदार्थ रोधी कार्यबल (एएनटीएफ) को दो गाड़ियों में नशीले पदार्थ की तस्करी की जानकारी मिली थी। टीम ने संदिग्ध वाहनों का पीछा करना शुरू कर दिया। एएनटीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) विकास कुमार ने कहा कि एक संदिग्ध वाहन भागने में कामयाब रहा लेकिन पुलिस ने दूसरे वाहन को रोकने के लिए सड़क पर 'स्पाइक स्ट्रिप' लगा दी जिससे उसके टायर पंचर हो गए। महानिरीक्षक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, कार में सवार आरोपियों ने टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। एएनटीएफ की जवाबी गोलीबारी में भुट्टो नामक 36 वर्षीय व्यक्ति को गोली लगी और उसकी मौत हो गई। उसे पाली के अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने कहा कि टीम ने वाहन से नशीला पदार्थ (डोडा चूरा), एक पिस्तौल और कई कारतूस बरामद किए।

बीकानेर में खेजड़ी बचाओ अभियान के तहत 'महापड़ाव' समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बीकानेर में खेजड़ी बचाओ आंदोलन के तहत जारी 'महापड़ाव' बृहस्पतिवार देर रात को राज्य सरकार के लिखित आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। राज्य सरकार ने आंदोलनकारियों को लिखित आश्वासन दिया है कि जब तक खेजड़ी पेड़ के संरक्षण के लिए विशेष कानून नहीं बन जाता, तब तक खेजड़ी का पेड़ नहीं काटा जाएगा। राज्य के मंत्री के. के. बिश्नोई सरकार की ओर से एक आधिकारिक पत्र लेकर बीकानेर पहुंचे। इसके बाद वहां जारी अनिश्चितकालीन धरना खत्म हो गया।मंत्री के अनुसार राजस्व विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि प्रस्तावित कानून लागू होने तक खेजड़ी (शमी) का एक भी पेड़ गैर-कानूनी तरीके से न काटा जाए। विश्नोई ने कहा कि सरकार विधानसभा के मौजूदा बजट सत्र में इस बारे में एक विधेयक लाने की तैयारी कर रही है और उसके सभी पहलुओं की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि संतों और पर्यावरणविदों के साथ बातचीत जारी रहेगी और मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर पूरा भरोसा दिया है।

आंदोलन के संयोजक राम गोपाल विश्नोई ने कहा कि सरकार ने खेजड़ी संरक्षण के बारे में एक परिपत्र जारी किया है और घोषणा की है कि मौजूदा सत्र के दौरान नियम लाए जाएंगे। उन्होंने इसे लोगों के सामूहिक संघर्ष की जीत बताया और समर्थकों से संगठित रहने की अपील की।

सरकार के पत्र के अनुसार राजकीय वृक्ष खेजड़ी के सांस्कृतिक व विशिष्ट पहचान तथा लोक भावना के मद्देनजर राज्य सरकार ने उसके संरक्षण के लिए कानून लाने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने हाल में विधानसभा में घोषणा की थी कि कानून जल्द से जल्द पेश किया जाएगा और लागू किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बीकानेर में दो फरवरी को आंदोलन शुरू हुआ जिसमें शामिल लोग खेजड़ी को काटने पर रोक लगाने की मांग कर रहे थे। उनका आरोप है कि राज्य में सौर उर्जा संयंत्रों के लिए बड़ी संख्या में खेजड़ी सहित दूसरे पेड़ काटे जा रहे हैं।

किसानों को उपज का उचित मूल्य, उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सामग्री होगी उपलब्ध : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन में नेशनल एग्रीकल्चर को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लि. (नेफेड) द्वारा शुरु किये गए रिटेल आउटलेट 'नेफेड बाजार' का फीता काटकर उद्घाटन किया। 'किसान से किचन तक' की संकल्पना पर आधारित इस 'नेफेड बाजार' के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध होंगे।

दक ने इस अवसर पर कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं है बल्कि विश्वास, सहभागिता और सामूहिक विकास का माध्यम है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में सहकारी आन्दोलन को सशक्त बनाने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। राज्य के इस प्रथम 'नेफेड बाजार' का शुभारम्भ किसानों की समृद्धि एवं उपभोक्ताओं की सुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्ष 1958 से किसानों की सहकारी संस्था के रूप में नेफेड किसानों को उचित मूल्य और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। राजस्थान जैसे कृषि प्रधान राज्य में इस प्रकार की पहलें अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नेफेड बाजार न केवल उपभोक्ताओं को शुद्ध, प्रमाणित और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराएगा बल्कि किसानों के लिए स्थायी और लाभकारी विपणन की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेगा। साथ ही, उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में राज्य के अन्य जिलों में भी 'नेफेड बाजार' स्थापित किए जाएंगे।

इस अवसर पर सहकारिता विभाग की शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती आनन्दी, नेफेड के निदेशक रामप्रकाश चौधरी सहित सहकारिता विभाग एवं नेफेड के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्विति कवायद में जुटा माइंस विभाग, मिशन मोड पर होगा क्रियान्वयन : रविकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य के माइंस विभाग से जुड़ी 11 बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्वयन की रणनीति बनाने में विभाग जुट गया है। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने विभाग को बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में एक्टिव मोड़ पर लाते हुए 2026-27 की बजट घोषणाओं के संबंध में विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रस्ताव व कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। यह पहला मौका है जब आत्म निर्भर भारत अभियान के अनुरुप राज्य में आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस-मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग करते हुए क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक खनिजों का एक्सप्लोरेशन, जियो फिजिकल सर्वे एवं ड्रिलिंग कार्य और जीएसआई के सहयोग से स्टेट ऑफ आर्ट-खनिज कोर लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बजट घोषणा के बाद निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बजट घोषणाओं के अनुरुप योजनाओं के प्रारुप, नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन और घोषणाओं के अनुरुप क्रियान्वयन आदेश प्रारुप तैयार करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की तीन सदस्यीय समिति बनाई गई है। अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय महेश माथुर की अध्यक्षता में अतिरिक्त निदेशक जेके गुरुबख्सानी और अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत की समिति गठित कर निदेशक खान के माध्यम से तीन दिवस में राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजने के लिए निर्देशित किया गया है।

टी. रविकान्त ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा स्वयं माइंस मंत्री भी है और उनके मार्गदर्शन में प्रदेश में माइंस सेक्टर के सभी पहलूओं का समावेश करते हुए 2047 के आत्म निर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने का रोडमैप बनाते हुए बजट घोषणाएं की गई है और इससे प्रदेश में खनिज खोज-खनन, शोध एवं विकास, युवाओं को खनन क्षेत्र में विशेषज्ञता सहित नए कार्यों को नई दिशा मिलेंगी व प्रदेश में खनन क्षेत्र में एक्सप्लोरेशन, निवेश, राजस्व व रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। टी. रविकान्त ने बताया कि बजट घोषणाओं को तीन भागों में विभाजित करते हुए रोडमैप बनाया जा रहा है। ए

क वह घोषणाएं जिनके क्रियान्वयन पर वित्तीय भार नहीं पड़ेगा और विभागीय स्तर पर ही परीक्षण कर प्रशासनिक व विधिक आदेश जारी किए जा सकेंगे। इस श्रेणी की 3 बजट घोषणाएं है। दूसरी वह घोषणाएं जिनके लागू करने पर सरकार पर वित्तीय भार तो नहीं पड़ेगा पर वित व कार्मिक आदि अन्य विभागों से सहमति ली जानी होगी। इस तरह की चार बजट घोषणाएं है। तीसरी कैटेगरी में वह घोषणाएं हैं जिनको लागू करने पर सरकार पर वित्तीय भार पड़ेगा। इस तरह की 4 बजट घोषणाएं की गई है।

राजस्थान विधानसभा उद्यान को बेस्ट एक्जीबिटर ऑफ दी शो शील्ड मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा परिसर स्थित उद्यान को बेस्ट एक्जीबिटर ऑफ दी शो शील्ड प्राप्त होने पर राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधान सभा के उद्यान कर्मियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। देवनानी ने कहा कि यह सम्मान उद्यान कर्मियों की समर्पित मेहनत, सौंदर्यबोध और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विधानसभा परिसर केवल लोकतांत्रिक विमर्श का केंद्र ही नहीं बल्कि हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य का भी अनुपम स्थान बन रहा है।

राजस्थान विधानसभा उद्यान में वर्तमान में लगभग 70 किस्मों के पुष्पीय पौधे लहलहा रहे हैं, जो परिसर की शोभा को चार चांद लगा रहे हैं। विभिन्न रंगों और प्रजातियों के फूल न केवल दर्शनीय वातावरण का सृजन कर रहे हैं बल्कि आगंतुकों और जनप्रतिनिधियों के लिए सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी कर रहे हैं।देवनानी ने उद्यान कर्मियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम और नवाचार के माध्यम से विधानसभा परिसर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, मार्शल विक्रम सिंह शेखावत, विशेषाधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा और उद्यान निरीक्षक सुरेश चौधरी भी उपस्थित थे।

पाली जिले के सांडेराव में पांच दिवसीय निंबेश्वर पशु मेले का हुआ आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। 35 साल बाद पांच दिवसीय निम्बेश्वर महादेव पशु मेले का आगाज शुक्रवार को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने मंत्रोच्चार, पुंगनूर नस्ल की गौमाता का पूजन और ध्वजारोहण के साथ किया। गोडवाड़ क्षेत्र के 13 से 17 फरवरी तक फालना रोड, साण्डेराव में हो रहे इस पशु मेले में पुंगनूर, गिर, कांकरेज, थार व संकर नस्ल के श्रेष्ठ पशुओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिला स्तर पर पशु मेलों के आयोजन की बजट-2025-26 में की गई थी, इसी बजट घोषणा की क्रियान्विति में प्रथम चरण में इस बार 11 जिलों में जिला स्तरीय पशु मेले आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मेले के आयोजन से सामाजिक सौहार्द और मेलजोल बढ़ता है, जिससे समाज में एकता आती है और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। पशुपालन विभाग की ओर से मेले में पशुओं के लिए चारा, पानी और चिकित्सा सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। मेले के दौरान राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देने के उदेश्य से 12 विभागों की स्टॉल्स लगाई गई है। इसके साथ 50 प्राइवेट लोगों ने भी अपने उत्पाद बेचने के लिए स्टॉल्स लगाई हैं। खासतौर पर पशुपालकों के हित में लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए पशुपालन विभाग द्वारा विशेष काउंटर स्थापित किया गया है। इस काउंटर पर मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, सैक्स सोर्टेड सीमन योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

संयुक्त निदेशक पशुपालन डॉ. मनोज पंवार ने बताया कि पशुपालकों की सहायता के लिए पांच चौकिया स्थापित की गई हैं। पहले दिन 85 ऊंट, 18 घोड़े, 25 बकरी, एक पाडा, पांच गाय सहित अन्य मवेशी मेले में पहुंचे हैं।

उन्होंने बताया कि 14 फरवरी को सफेद पर्ची, अश्व व उष्ट्र प्रतियोगिता, रस्साकशी, साफा, मूंछ, गोडवाड़ केसरी व गोडवाड़ सुंदरी प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 15 फरवरी को मारवाड़ी अश्व प्रतियोगिता, 16 फरवरी को गाय, भैंस, ऊंट, भेड़ व बकरी प्रतियोगिताएं तथा शाम 7 से 10 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 17 फरवरी को पारितोषिक वितरण के साथ मेले का समापन होगा।

ग्राम उत्थान शिविरों की समीक्षा बैठक 31 लाख से अधिक ग्रामीणों तक पहुंची योजनाओं की सौगात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को पृथ्वीराज ऑडिटोरियम, कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रगतिशील किसानों के साथ संवाद एवं ग्राम उत्थान शिविरों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में कृषि नवाचार, ग्रामीण विकास और बजट प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने बताया कि वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें से 69 हजार करोड़ रुपये समेकित निधि से व्यय किए जाएंगे। यह गत वर्ष की तुलना में 7.59 प्रतिशत अधिक है। राज्य की जीडीपी में कृषि बजट की हिस्सेदारी 5.55 प्रतिशत है, जो सरकार की कृषि एवं ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर ग्राम-2026 को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के 2 हजार 770 गिरदावर सर्किलों में ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में 31 लाख 57 हजार से अधिक ग्रामीणों ने भाग लेकर केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्राप्त किया। शिविरों में विभिन्न योजनाओं के आवेदन-पत्र तैयार करवाए गए तथा पूर्व में दिए गए आवेदनों की वर्तमान स्थिति से भी अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव ने डच रोज की खेती, खीरा, रंगीन शिमला मिर्च, संरक्षित खेती, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, मोती पालन एवं एकीकृत खेती मॉडल अपनाने वाले प्रगतिशील किसानों से संवाद किया। किसानों की सफलता की कहानियों ने उपस्थित जनों को प्रेरित किया और मुख्य सचिव ने नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि ग्राम उत्थान शिविर केवल योजनाओं का वितरण मंच नहीं, बल्कि प्रशासन और गांवों के बीच मजबूत संवाद का माध्यम हैं।

इससे ग्रामीण सहभागिता बढ़ेगी और राजस्थान के समग्र विकास की दिशा में एक सशक्त आधार तैयार होगा। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल ने बताया कि शिविरों में 13 प्रमुख विभागों की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कृषि विभाग द्वारा 2 लाख 7 हजार से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। 6,135 से अधिक ग्राम पंचायतों में पॉलीहाउस स्थापना हेतु आवेदन तैयार किए गए। मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के अंतर्गत 3,838 किसानों के आवेदनों का निस्तारण किया गया। साथ ही 3,828 किसान विश्राम स्थल निर्माण प्रस्ताव भी तैयार करवाए गए।

तृतीय श्रेणी शिक्षकों के जिले के बाहर तबादलों का प्रावधान नहीं : दिलावर

जयपुर। राजस्थान में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के जिलों के बाहर तबादलों का कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि सरकार तबादला नीति बना रही है। इस नीति के घोषित होने के बाद ही इन शिक्षकों के तबादलों पर विचार किया जा सकता है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक सवाल के जवाब में सदन में यह जानकारी दी। इससे पहले विधायक गोविंद प्रसाद ने एक सवाल में सरकार से जानना चाहा था कि क्या सरकार तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों के लिए कोई नीति बनाने का विचार रखती है। यह नीति कब तक बनकर तैयार होगी। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि क्या यह सही है कि अन्य संवर्गों के तबादले शिक्षा विभाग में किए जा रहे हैं। फिर तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले नहीं किए जाने का क्या कारण है।

इस सवाल के जवाब में शिक्षा मदन दिलावर ने सदन को बताया कि प्रदेश में अभी तबादलों पर रोक लगी हुई है और नई तबादला नीति अभी प्रक्रियाधीन है। नीति घोषित होने के बाद उसके आधार पर तबादले किए जाने पर विचार किया जाएगा।इस दौरान हस्तक्षेप करते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में शिक्षकों के तबादलों के लिए तबादला नीति बनाए जाने का उल्लेख किया था। सरकार का लगभग आधा कार्यकाल बीत चुका है। अभी तक आखिर तबादला नीति क्यों नहीं बनी है। सरकार कब तक इस नीति को घोषित करेगी और कब तक तबादले किए जा सकेंगे।

इस पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पलटवार करते हुए कहा कि तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले आखिर बार वसुंधराराजे की सरकार के समय किए गए। इसके बाद कांग्रेस की सरकार ने अपने 5 साल में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले क्यों नहीं किए। इसका जवाब दिया जाए। लेकिन, भाजपा सरकार जल्दी ही तबादला नीति बनाने के बाद तबादले करेगी।

झारखंड में जंगली हाथियों के हमले में छह लोगों की मौत

रांची/भाषा। झारखंड के हजारीबाग जिले में शुक्रवार को जंगली हाथियों के एक झुंड के हमले में एक परिवार के चार सदस्यों सहित छह लोगों की मौत हो गई। एक वन अधिकारी ने यह जानकारी दी। हजारीबाग पूर्व के संभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) विकास कुमार उज्ज्वल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पिछले कुछ दिनों में कई लोगों पर हमला कर चुका हाथियों का झुंड बृहस्पतिवार रात को चुरचू प्रखंड के गोंडवार गांव में घुस गया और शुक्रवार तड़के हाथियों के इस झुंड के हमले मे छह लोगों की मौत हो गई।

उज्ज्वल ने कहा, ''मृतकों में एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल हैं। एक बच्चा भी गंभीर रूप से घायल हुआ है।'' उन्होंने बताया कि बच्चे को इलाज के लिए हजारीबाग के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उज्ज्वल ने बताया कि हाथियों का यह झुंड पिछले कुछ दिनों से बोकारो, रामगढ़ और हजारीबाग जिलों में घूम रहा है और इस झुंड ने इससे पहले बोकारो में लोगों पर हमला किया था। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, ''जब हाथियों का झुंड प्रखंड में दाखिल हुआ तो हमने सार्वजनिक संबोधन प्रणाली के जरिए ग्रामीणों को सतर्क किया था। दुर्भाग्यवश, छह लोगों की हाथियों के हमले में मृत्यु हो गई।'' उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

किसकी तरफ से एप्स्टीन के संपर्क में थे पुरी, उनसे तत्काल इस्तीफा लिया जाए : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने एप्स्टीन मामले में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के स्पष्टीकरण को 'सरासर झूठ' करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि पुरी किसकी तरफ से जेफ्री एप्स्टीन से संपर्क में थे। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने इस मंत्री से तत्काल इस्तीफा लेना चाहिए।

पुरी ने उनके खिलाफ आरोप लगाने के लिए बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा था कि उनकी मुलाकात जेफ्री एप्स्टीन से ''कुछ मौकों पर'' हुई थी, लेकिन उसके साथ हुई बातचीत का उन अपराधों से कोई लेना-देना नहीं था जिनमें अमेरिकी यौन अपराधी शामिल था। पुरी का स्पष्टीकरण गांधी के उस दावे के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्रीय मंत्री का नाम अमेरिका में जारी 'एप्स्टीन फाइल्स' में भी सामने आया है। खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''हरदीप सिंह पुरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि मेरी एप्स्टीन से ज्यादा बात नहीं हुई। ये सरासर झूठ है। पुरी ने एक और साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने एप्स्टीन से मिलने का समय नहीं मांगा था, ये बात भी झूठ है। ईमेल से स्पष्ट है कि पुरी खुद एप्स्टीन से मिलने का आग्रह करते थे।'' खेड़ा ने यह दावा भी किया कि 13 नवंबर 2014 को लिंक्डइन के संस्थापक रीड हॉफमैन को एप्स्टीन ने एक मेल भेजा, जिसमें 'डिजिटल इंडिया' की जानकारी दी गई थी, जबकि भारत में 'डिजिटल इंडिया' जुलाई, 2015 में शुरू हुआ था।

रमेश ने पूर्व न्यायाधीश को लिखा नेहरू का माफीनामा साझा किया, व्यक्तित्व की सराहना की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि 1959 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अपनी एक टिप्पणी को लेकर उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश विवियन बोस को एक माफीनामा लिखा था।

रमेश ने बोस को नेहरू द्वारा लिखे गए पत्र की प्रति 'एक्स' पर साझा की। उन्होंने कहा, कार्यपालिका और न्यायपालिका के संबंधों पर बहुत कुछ कहा जाता है। यहां 26 जून, 1959 को तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा न्यायमूर्ति विवियन बोस को लिखा गया एक असाधारण माफीनामा है। नेहरू सचमुच एक असाधारण संस्थान-निर्माता थे!

न्यायमूर्ति बोस को लिखे अपने पत्र में नेहरू ने कहा, पिछले कई दिनों से मैं लगातार यात्रा पर रहा हूं। मेरा इरादा था कि मैं संवाददाता सम्मेलन में की गई कुछ टिप्पणियों के संबंध में आपको पहले ही लिखूं, लेकिन लगातार यात्राओं के कारण ऐसा नहीं कर सका। उन्होंने लिखा था, कुछ दिन पहले जब मैं त्रिवेंद्रम में था, मुझे कलकत्ता बार लाइब्रेरी क्लब के मानद सचिव का एक पत्र मिला, जिसमें उन्होंने कलकत्ता बार की बैठक में पारित एक प्रस्ताव संलग्न किया था। इस प्रस्ताव में मेरे द्वारा आपके बारे में की गई कुछ टिप्पणियों पर आपत्ति जताई गई थी। जैसे ही मुझे यह पत्र मिला, मैंने कलकत्ता बार लाइब्रेरी क्लब के सचिव को उत्तर भेज दिया।

ओडिशा में मोहन चरण माझी ने गरीबों के लिए पुरी के जगन्नाथ मंदिर की मुफ्त यात्रा योजना शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नबरंगपुर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को एक योजना की शुरुआत की, जिसके तहत गरीबों, विधवाओं और बुजुर्ग व्यक्तियों को जीवन में कम से कम एक बार पुरी के जगन्नाथ मंदिर के दर्शन करने की सुविधा मिलेगी।

माझी ने कहा कि राज्य सरकार उन लोगों की यात्रा का खर्च वहन करेगी, जिससे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कल्याण में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा, मैंने नबरंगपुर से जनता के लिए श्री जगन्नाथ दर्शन योजना (एसजेडीवाई) शुरू की। राज्य सरकार जनता को शासन का केंद्र मानती है इसलिए, उनकी आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करना हमारा सर्वोच्च कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आर्थिक तंगी या पारिवारिक समस्याओं के कारण आर्थिक रूप से पिछड़े और वरिष्ठ नागरिक भगवान जगन्नाथ के दर्शन से वंचित रह जाते हैं। माझी ने कहा, उनकी अधूरी धार्मिक इच्छा को पूरा करने के लिए हमने यह अभिनव योजना शुरू की है, जिसके तहत सरकार श्रवण कुमार की तरह बुजुर्गों और विधवा महिलाओं को सम्मानपूर्वक मंदिर ले जाएगी तथा उनके लिए बिना किसी परेशानी के दर्शन और महाप्रसाद ग्रहण करने की व्यवस्था करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना कमजोर समुदायों के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कल्याण में वृद्धि के लिए बनाई गई है। उन्होंने कहा कि एसजेडीवाई के प्रावधानों के तहत, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 60 से 75 वर्ष तक के वरिष्ठ नागरिक और 75 वर्ष तक की विधवाएं पुरी की मुफ्त यात्रा का लाभ उठा सकेंगी, जहां उन्हें जगन्नाथ मंदिर के दर्शन करने का अवसर मिलेगा।

इस योजना के तहत मुफ्त महाप्रसाद के साथ-साथ परिवहन, आवास और भोजन का खर्च भी राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

इस पहल के पहले चरण से विभिन्न जिलों के 500 से अधिक श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा।

राहुल गांधी संसद को बाधित करने के लिए बहाना तलाशते हैं : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बजट सत्र के दौरान लोकसभा के बार-बार बाधित होने का हवाला देते हुए शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला किया। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को 'बयान बहादुर' करार देते हुए कहा कि वह (गांधी) सदन की कार्यवाही ठप करने के लिए 'नए-नए बहाने' तलाशते हैं।

संसद के बजट सत्र का पहला चरण हंगामेदार रहा, जिसमें भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते और पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे की अप्रकाशित किताब के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध की स्थिति बनी रही। संसद के बजट सत्र का पहला चरण शुक्रवार को समाप्त हुआ और दूसरा चरण नौ मार्च से शुरू होगा। प्रधान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''संसद को बाधित करने के लिए हर रोज नया बहाना गढ़ना अब कांग्रेस की कार्यशैली ही नहीं, (बल्कि) उसकी पहचान बन चुकी है। हर सत्र में एक ही स्क्रिप्ट दोहराई जाती है- हंगामा, शोर, झूठ और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सुनियोजित उल्लंघन।'' उन्होंने कहा, ''नेता प्रतिपक्ष होते हुए भी राहुल गांधी ने जिम्मेदारी का नहीं, अराजकता का रास्ता चुना है। ''झूठ बोलो और बार-बार बोलो'' की राजनीति अब उनकी आदत नहीं, उनकी राजनीतिक पहचान है, जिसने उन्हें भारतीय राजनीति में अविश्वसनीयता का प्रतीक बना दिया है।''

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, ''राहुल गांधी और कांग्रेस को संविधान, लोकतंत्र, लोकतांत्रिक व्यवस्था, संसदीय प्रणाली और जनता के मताधिकार में विश्वास नहीं है। वैचारिक रूप से खोखली कांग्रेस योजनाबद्ध तरीके से संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रही है।''

'ट्रिपल टी' की त्रिवेणी की बनकर उभरा उत्तर प्रदेश : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि राज्य अब 'ट्रिपल टी' यानी 'टेक्नॉलॉजी, ट्रस्ट और ट्रांसपोर्टेशन' की 'त्रिवेणी' बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि अब राज्य में 'कर्फ्यू कल्चर' की जगह 'जीरो टॉलरेंस कल्चर' ने ली है और दंगों की जगह 'फेस्टिवल व टेंपल इकोनामी' पनप रही है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि अब उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं है। उन्होंने कहा, ''आज यह ट्रिपल टी का एक प्रतीक बना है। ट्रिपल टी यानी टेक्नोलॉजी, ट्रस्ट और ट्रांसपोर्टेशन। यह इन तीनों की एक त्रिवेणी बनकर उभरा है। पहली बार सदन में प्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण भी प्रस्तुत किया गया है। यह आर्थिक सर्वेक्षण विचार से व्यवस्था और व्यवस्था से विकास की इस अभिनव यात्रा का प्रतीक है।'' आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने पहले दिन से ही भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति की बात की थी और सरकार आज भी इसी नीति पर चल रही है। उन्होंने कहा, ''आज का उत्तर प्रदेश उपद्रव का नहीं बल्कि उत्सव प्रदेश है। कर्फ्यू कल्चर की जगह जीरो टॉलरेंस कल्चर ने ली है। अब दंगों की जगह फेस्टिवल और टेंपल इकोनामी प्रगति कर रही है।''

ओडिशाः तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस ओवरब्रिज की दीवार से टकरा गई, चालक की मौत, 9 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालासोर/भाषा। पश्चिम बंगाल के तीर्थयात्रियों को लेकर आंध्र प्रदेश जा रही एक बस शुक्रवार को ओडिशा के बालासोर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 16 पर एक ओवरब्रिज की दीवार से टकरा गई, जिसमें बस चालक की मौत हो गई और नौ यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हादसा तड़के बाहानगा बाजार में हुआ और आशंका है कि चालक को वाहन चलाते समय झपकी आ गई थी।

खंतापाड़ा थाने के प्रभारी अनुराग मोहंती ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि चालक टूटे हुए 'विंडस्क्रीन' से बाहर जा गिरा और ओवरपास से नीचे सड़क पर गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक आंध्र प्रदेश का निवासी था। उन्होंने बताया कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

मोहंती ने बताया कि बस में कम से कम 40 यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि नौ घायलों को खंतापाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

पुलिस और अग्निशमन कर्मियों के दुर्घटनास्थल पर पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों ने यात्रियों को बचाया।

बहानगा बाजार में दो जून, 2023 को एक बड़ा रेल हादसा हुआ था, जिसमें 297 लोगों की मौत हो गई थी और 1,200 से अधिक लोग घायल हुए थे।

सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज यादव को पुलिस ने बाराबंकी से हिरासत में लिया

बाराबंकी (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज यादव को उत्तर प्रदेश पुलिस ने यहां के सफदरगंज इलाके से हिरासत में लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, यादव को सफदरगंज इलाके में उस समय रोका गया जब वह कुछ साथियों के साथ इलाके से गुजर रहे थे।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए जाने के तुरंत बाद उन्हें चिकित्सा जांच के लिए बड़ागांव के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद कड़ी सुरक्षा में उन्हें लखनऊ ले जाया गया।

यादव कथित तौर पर पिछले दो दिनों से 'संदिग्ध हालात में लापता' बताए गए थे। उनकी पत्नी ने लखनऊ के गोमती नगर एक्सटेंशन पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी पिछले 48 घंटे में उनके ठिकाने को लेकर चिंता जताई थी। सफदरगंज थाना प्रभारी अमर कुमार चौरसिया ने कहा कि सपा नेता के खिलाफ स्थानीय पुलिस थाने में अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है और पुलिस ने इसी मामले के सिलसिले में उन्हें हिरासत में लिया है।

कोडीन के सेवन से कोई मौत नहीं हुई : जे पी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश से कोडीन आधारित कफ सिरप के सेवन से जुड़ी मौत का कोई मामला सामने नहीं आया है। नड्डा ने लोकसभा में प्रश्नकाल में कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

कांग्रेस सदस्य ने पूछा था, ''उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में (कोडीन आधारित कफ सीरप के सेवन से) बड़े पैमाने पर मौतें हुईं हैं, क्या सरकार सीबीआई जांच कराएगी और मौत के मामलों में परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा?'' नड्डा ने जवाब में कहा, ''मैंने अपने (लिखित) उत्तर में बड़े स्पष्ट शब्दों में कहा है कि कोडीन आधारित कफ सिरप के सेवन से जुड़ी मौत का कोई मामला किसी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश से नहीं आया है। जब कोडीन टॉक्सिन से कोई मौत नहीं हुई है तो फिर मुआवजे का प्रश्न ही नहीं उठता।''

इस मामले में सीबीआई जांच कराने के सवाल पर नड्डा ने कहा कि जब इससे कोई मृत्यु ही नहीं हुई है तो सीबीआई जांच की मांग कैसे की जा सकती है।

तेलुगु देशम पार्टी के कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने सरकार से पूछा कि क्या बाजार से खराब और संदूषित दवाओं को वापस बुलाने के लिए सरकार की कोई नीति लाने की योजना है?

जवाब में नड्डा ने कहा कि दवाओं का निरीक्षण किया जाता है और कोई दवा यदि घटिया या मानव सेवन के लिए उपयुक्त नहीं पायी जाती है तो एक प्रक्रिया के तहत उसे वापस लिया जाता है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर 'झूठ फैला रहा' विपक्ष, किसानों के हित सुरक्षित : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बारे में 'झूठ फैलाने' के लिए विपक्षी दल कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने किसानों के हितों को पूरी तरह सुरक्षित रखा है।

चौहान ने आईसीएआर-आईएआरआई के 64वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के अलावा यूरोपीय संघ एवं अन्य देशों के साथ हुए सभी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भी देश के हित में किए गए हैं।

चौहान ने कहा, ''यूरोपीय संघ (ईयू) और अन्य देशों के साथ हुए सभी एफटीए देश के हित में हैं। अमेरिका के साथ हुआ व्यापार समझौता भारत के हित में है और इसमें पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है। किसानों के हितों को सबसे ऊपर रखा गया है।'' उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का परोक्ष उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग किसान हितों के मुद्दे पर 'हंगामा' कर रहे हैं। चौहान ने कहा, ''वे हंगामा कर रहे हैं और कह रहे हैं कि हमें लूट लिया गया है। हम बर्बाद हो गए हैं। सब कुछ बर्बाद हो गया है। देश बिक गया है।'' उन्होंने कहा कि वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 'वे किसानों की ताकत बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं।' कृषि मंत्री ने विपक्ष पर 'झूठ' बोलने का आरोप लगाते हुए कहा, वे झूठ बोल रहे हैं। वे झूठ खाते रहते हैं, झूठ पीते रहते हैं, झूठ के साथ उठते हैं, झूठ के साथ सोते हैं और झूठ फैलाते रहते हैं।

खरगे ने रास में कार्यवाही से अपने भाषण के अंश हटाने पर उठाया सवाल

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने भाषण के कुछ हिस्से सदन की कार्यवाही से हटाए जाने पर असंतोष जताया।

शून्यकाल समाप्त होने पर जब सभापति सी पी राधाकृष्णन ने प्रश्नकाल शुरू करने को कहा तब खरगे ने अपनी बात कहने की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने पर खरगे ने कहा ''राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के समय मैंने शुरू में ही कह दिया था कि राष्ट्रपति का अभिभाषण राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों को उठाने का एक बेहतरीन अवसर था लेकिन इस अभिभाषण में वह परिलक्षित नहीं होता। इसीलिए मैंने अपनी बात व्यापक रूप से रखी थी। लेकिन राज्यसभा की वेबसाइट में मैंने देखा कि मेरे अभिभाषण का बड़ा हिस्सा, बिना कोई कारण बताए हटा दिया गया। मैंने अपने भाषण में तथ्यों सहित बात रखी है और सरकार की कुछ नीतियों की आलोचना की है जो नेता प्रतिपक्ष होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है। मुझे लगता है कि वे नीतियां भारतीय जनमानस पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं।''

मैं अब बदला हुआ इंसान हूं, चौबीसों घंटे मजाक नहीं करताः ईशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने स्वीकार किया कि अपने व्यक्तित्व में बदलाव ने उन्हें एक बेहतर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किशन ने पिछले महीने भारतीय टीम में वापसी के बाद से पीछे मुड़कर नहीं देखा है। अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने संजू सैमसन को पीछे छोड़कर विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है।

इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने गुरुवार रात नामीबिया के खिलाफ 24 गेंदों में 61 रन बनाए और पावरप्ले में भारत को एक विकेट पर 86 रन तक पहुंचाया। अभिषेक शर्मा की अनुपस्थिति में खेली गई इस तूफानी पारी के चलते भारत ने टी20 विश्व कप के इतिहास में पावरप्ले में अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। भारत की जीत के बाद किशन ने पत्रकारों को बताया कि एक व्यक्ति और क्रिकेटर के रूप में उनमें क्या बदलाव आया है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब वह पहले की तरह मजाक नहीं करते। अतीत में अपने व्यवहार के कारण उन्हें केंद्रीय अनुबंध से हाथ धोना पड़ा था। किशन ने कहा, ''सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैं अब काफी बदल गया हूं। मैं अब पहले की तरह बहुत अधिक मजाक नहीं करता। मुझे चुटकुले और इस तरह की चीज पसंद हैं लेकिन अब मैं हर समय ऐसा नहीं करता हूं और दो तीन घंटे के लिए ही ऐसा करता हूं।'' किशन ने कहा, ''मैं अभी सिर्फ बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर ध्यान दे रहा हूं, जिससे टीम और मुझे दोनों को फायदा होगा। बाकी सब चीजें गौण हैं, इसलिए मैं हमेशा मजाक नहीं करता।'' बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बड़े शॉट खेलने में अधिक निरंतरता हासिल कर ली है। गुरुवार को उन्होंने जेजे स्मिट के एक ओवर में चार छक्के जड़े।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके बल्लेबाजी के तरीके में कोई बदलाव आया है जिससे उन्हें अधिक खुलकर बल्लेबाजी करने की छूट मिल रही है, तो किशन ने कहा कि वह कभी-कभी एक दो रन भी लेते हैं। उन्होंने कहा, '' मैं एक दो रन भी लेता हूं और अच्छी गेंदों को पूरा सम्मान भी देता हूं। लेकिन मुझे नहीं पता कि मैंने इसके लिए बहुत ज्यादा मेहनत की है। मैंने जल्दबाजी करने या उत्साहित होकर शॉट खेलने के बजाय इसे सरल रखा।''

किशन ने कहा, ''मैं पिच पर शांत रहने और गेंद पर नजर रखने की कोशिश कर रहा हूं। मैं उन शॉट को खेलने की कोशिश कर रहा हूं जो मुझे पहले से आते हैं, लेकिन कभी-कभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आप उत्साहित हो जाते हैं और ऐसे शॉट खेल देते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए मैं सिर्फ अपने उन शॉट को खेलने की कोशिश कर रहा हूं जिनमें मैं माहिर हूं और जो उस खास विकेट पर उपयुक्त हैं। इसलिए मैं बल्लेबाजी के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं, न ही अतिरिक्त अभ्यास सत्रों में भाग ले रहा हूं, बल्कि गेंद को देखने और विकेट पर शांत रहने की कोशिश कर रहा हूं।''

पाकिस्तान के खिलाफ अर्शदीप की जगह कुलदीप को उतारे भारत : गावस्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

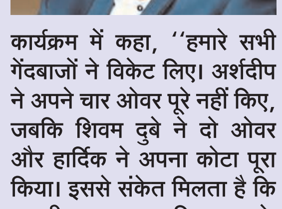

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को उम्मीद है कि रविवार को कोलंबो में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप मैच में भारतीय टीम तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह लेग स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल करेगी।

नामीबिया के बल्लेबाजों ने गुरुवार को अर्शदीप की जमकर धुनाई की और उन्होंने अपने कोटे के चार ओवर भी पूरे नहीं किए। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, ''हमारे सभी गेंदबाजों ने विकेट लिए। अर्शदीप ने अपने चार ओवर पूरे नहीं किए, जबकि शिवम दुबे ने दो ओवर और हार्दिक ने अपना कोटा पूरा किया। इससे संकेत मिलता है कि कुलदीप यादव पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अर्शदीप की जगह ले सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''श्रीलंका की पिचें स्पिनरों के लिए मददगार हैं और भारत का तीन स्पिनरों के साथ खेलने का इतिहास रहा है। मुझे उम्मीद है कि कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा।'' गावस्कर ने कहा कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच को ध्यान में रखते हुए ही अपनी गेंदबाजी में बदलाव किए।

उन्होंने कहा, ''हार्दिक ने पहला ओवर किया जिससे संकेत मिलता है कि अर्शदीप पाकिस्तान के खिलाफ शायद नहीं खेलेंगे। वरुण चक्रवर्ती ने केवल दो ओवर फेंके और अगर उन्होंने अपने पूरे चार ओवर फेंके होते तो वह पांच या छह विकेट ले लेते।''

सुविचार

अगर तुम्हारी कोई कदर नहीं करता तो उदास मत हो क्योंकि हीरे की कीमत कबाड़ वाला नहीं बता सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इन कृतघ्न संतानों का क्या करें?

'मैं रोया परदेस में भीगा मां का प्यार, दुख ने दुख से बात की बिन चिट्ठी बिन तार' – जब निदा फ़ाज़ली ने ये पंक्तियां लिखी थीं, तब परदेस में रहने वाले हिन्दुस्तानी अपने मां-बाप से बात करने के लिए चिट्ठी और तार का सहारा लिया करते थे। अब विज्ञान ने बहुत उन्नति कर ली है। घर-घर में मोबाइल फोन हैं, लेकिन उन मां-बाप का दुखड़ा कौन सुने, जिनकी औलादें परदेस से उन्हें याद ही नहीं करतीं? इस संबंध में राज्यसभा में भाजपा सांसद राधा मोहनदास अग्रवाल ने बहुत महत्त्वपूर्ण मुद्दा उठाया है। हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब बूढ़े मां-बाप परलोक सिधार गए, उनके पार्थिव शरीर घरों में लावारिस पड़े रहे, लेकिन परदेस में रहने वाली औलादों ने उनकी सुध नहीं ली! जिन मां-बाप ने कभी अपना पेट काटकर बच्चों की जरूरतें पूरी की थीं, अपने अरमानों का गला घोंटकर उनके लिए कॉलेज फीस जुटाई थी, आज जब वे विदेशी धरती पर थोड़े कामयाब हो गए तो सबसे पहले उन्हीं मां-बाप को बिसरा दिया! यह एक खोखली कामयाबी है, बहुत खतरनाक चलन है। हरियाणा के फतेहाबाद के एक मामले की बहुत चर्चा होती है। एक 80 वर्षीया महिला, जो अकेली रहती थी, का घर में देहांत हो गया। जब पड़ोसियों ने उसे कई दिनों से नहीं देखा तो अनिष्ट की आशंका हुई। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और शव को अस्पताल पहुंचाया। महिला का बेटा अमेरिका रहता है। मां का शव घर में पड़ा रहा, इसका सीधा-सा मतलब है कि उसने कई दिनों से बात नहीं की थी। अगर वह रोजाना कम-से-कम एक बार बात करता तो ऐसी नौबत नहीं आती। भारत के एक छोटे-से शहर की यह घटना सोचने को मजबूर कर देती है। दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं।

ऊंची डिग्री, विदेश में नौकरी, मोटी कमाई ... ये सब भौतिक उपलब्धियां हैं। अगर इन्हें हासिल करने के बाद अपने मां-बाप को ही भूल गए तो यह घोर कृतघ्नता है। ऐसे व्यक्ति की सफलता को धिक्कार है। सांसद राधा मोहनदास अग्रवाल ने जो कड़वी सच्चाई पेश की है, उसे बहुत गंभीरता से लेते हुए भारत सरकार को कुछ कड़े कदम उठाने होंगे। यह सिर्फ स्वार्थ, अनदेखी और उदासीनता का मामला नहीं है। इसका सीधा संबंध निर्दयता से है। जो लोग अपने जन्मदाता को यूं मरने के लिए छोड़ देते हैं, उनके शवों को भी देखने नहीं आना चाहते, उन्हें भगवान का तो डर नहीं रहा। कम-से-कम कानून का ही कुछ डर होना चाहिए। जो युवा पढ़ाई या कमाई के लिए विदेश जाएं, उनसे एक शपथ-पत्र जरूर लेना चाहिए कि वे अपने मां-बाप की सेहत और सम्मान का ध्यान रखेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के पास उन युवाओं और उनके माता-पिता के फोन नंबरों का अलग से रिकॉर्ड होना चाहिए। एआई की मदद से ऐसे नंबरों को छांटकर उनकी ओर विशेष ध्यान देना चाहिए, जिन पर औलादें हफ्तों-महीनों बाद बात करती हैं या बिल्कुल बात नहीं करती हैं। संबंधित देश में भारतीय दूतावास द्वारा उन युवाओं के नंबरों पर सूचना भेजी जाए। हर छह महीने में 'ज़िम्मेदारी पूर्ति प्रमाण-पत्र' देने का प्रावधान किया जा सकता है, जिसमें अंतिम ऑडियो या वीडियो कॉल का डिजिटल सबूत पेश करना अनिवार्य हो। एक और उपाय हो सकता है। हालांकि वह थोड़ा सख्त है। जो औलादें विदेश में रहकर अपने मां-बाप की ओर से बिल्कुल ही आंखें मूंद लें, कई बार सूचना देने के बावजूद उनकी सुध लेने में कोई रुचि न दिखाएं, उनके पासपोर्ट रद्द करने पर विचार किया जाए। हमें शिक्षा और उसकी उपलब्धियों पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। संस्कार के बिना शिक्षा मानव को दानव बना सकती है। जो उपलब्धि अपने मां-बाप को ठुकराने को 'मजबूर' कर दे, उसका न मिलना ही बेहतर है।

ट्वीटर टॉक

देशवासियों की सेवा के अटूट संकल्प और 'नागरिक देवो भव' की पावन भावना को साथ लेकर, आज 'सेवा तीर्थ' को राष्ट्र को समर्पित करने का सौभाग्य मिला। 'सेवा तीर्थ' कर्तव्य, करुणा और 'राष्ट्र प्रथम' के लिए हमारी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है।

–दिया कुमारी

देशवासियों की सेवा के अटूट संकल्प और 'नागरिक देवो भव' की पावन भावना को साथ लेकर, आज 'सेवा तीर्थ' को राष्ट्र को समर्पित करने का सौभाग्य मिला। 'सेवा तीर्थ' कर्तव्य, करुणा और 'राष्ट्र प्रथम' के लिए हमारी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है।

–नरेन्द्र मोदी

स्वाधीनता संग्राम की अग्रणी सेनानी एवं उत्तर प्रदेश की प्रथम महिला राज्यपाल, 'भारत कोकिला' सरोजिनी नायडू की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। नारी सशक्तीकरण और साहित्य के क्षेत्र में उनका उत्कृष्ट योगदान सदैव स्मरणीय एवं प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

–योगी आदित्यनाथ

प्रेरक प्रसंग

मन की शक्ति

मतंग ऋषि पशु-पक्षियों के प्रति बहुत स्नेह रखते थे। प्रायः वे अध्ययन और उपासना के बाद पक्षियों के साथ खेलने लग जाते थे। पक्षी इशारों पर उनके पास आ जाते और उनके कंधों व हाथों पर बैठ जाते थे। एक दिन जब वे पक्षियों के बीच चहक रहे थे, तभी अनंग ऋषि वहां आए। वह मतंग ऋषि का बहुत सम्मान करते थे। उन्हें पक्षियों के साथ खेलते देखकर वे बोले, 'महाराज! आप इतने बड़े विद्वान होकर बच्चों की तरह चिड़ियों के साथ खेल रहे हैं। इससे आपका मूल्यवान समय नष्ट नहीं होता?' मतंग ऋषि यह सुनकर मुस्करा दिए और उन्होंने पास रखे धनुष की डोरी ढीली करके रख दी। अनंग ऋषि बोले, 'आपने इस धनुष की डोरी को ढीली करके क्यों रख दिया?' मतंग ऋषि बोले, 'हमारा मन धनुष की तरह है। यदि धनुष पर डोरी हमेशा चढ़ी रहे तो उसकी मजबूती कुछ ही समय में चली जाती है और वह जल्दी टूट जाता है, किंतु यदि डोरी काम पड़ने पर ही चढ़ाई जाए तो वह अधिक समय तक टिकता है। इसी प्रकार मन को काम के बाद यदि आराम मिलता रहे तो इससे मन स्वस्थ और मजबूत बनता है।'

सामयिक

बांग्लादेश में बदलाव, भारत पर पड़ेगा सकारात्मक प्रभाव

संजय सक्सेना
मोबाइल : 9454105568

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को जबरदस्ती अपदस्थ करने के बाद प्रदेश की बागडोर संभालने वाले युनुस मोहम्मद ने देश को अराजकता के दौर में पहुंचा दिया था, लेकिन लगता है कि अब बांग्लादेश का राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। आम चुनाव के नतीजों के बाद यह तय है कि बांग्लादेश में अब राष्ट्रवादी दल की अगुवाई वाली नई सरकार बनने जा रही है। इस दल को विधानसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल हो गया है। तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने की संभावना प्रबल है।तारिक को उदारवादी और सभी को साथ लेकर चलने वाला नेता माना जाता है। यही वजह है कि बांग्लादेश के हिंदुओं ने भी तारिक की पार्टी के पक्ष में बढ़-चढ़कर मतदान किया था। वहीं, मौजूदा कार्यवाहक प्रधानमंत्री की भूमिका निभा रहे युनुस मोहम्मद की राजनीतिक यात्रा पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यह बदलाव न केवल बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति को प्रभावित करेगा, बल्कि पड़ोसी देश भारत के साथ उसके संबंधों और वहां रहने वाले अल्पसंख्यक हिंदुओं की स्थिति पर भी गहरा असर डालेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नई सरकार अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए सुरक्षित माहौल बना सकती है और भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने में सकारात्मक भूमिका निभा सकती है।

बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में बांग्लादेश राष्ट्रवादी दल को भारी सफलता मिली है। अनौपचारिक गिनती के अनुसार, दल ने 300 सदस्यीय संसद में 175 से अधिक सीटों पर बढ़त बना ली है, जो स्पष्ट बहुमत का संकेत देता है। वहीं, इस्लामी जमात-ए-इस्लामी गठबंधन को करीब 60 से 70 सीटें मिली हैं। राष्ट्रीय नागरिक दल ने अपनी पहली कोशिश में छह सीटें जीतीं, जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों को चार से अधिक सीटें हासिल हुईं। एक सीट पर उम्मीदवार की मौत के कारण मतदान नहीं हुआ। यह चुनाव शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद पहला है। तारिक रहमान के नेतृत्व वाले दल की जीत से राजनीतिक परिवर्तन की उम्मीद है। मतदान के दौरान नौ लोगों की मौत हुई। उम्मीद की जा रही है कि नई सरकार देश में स्थिरता लाएगी।बांग्लादेश राष्ट्रवादी दल लंबे समय से देश की राजनीति में सक्रिय रहा है। इस दल ने हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुलवादी समाज की वकालत की है। हाल के चुनावों में मिले बहुमत ने इस दल को सत्ता की कुंजी सौंप दी है। तारिक रहमान, जो दल के प्रमुख नेता हैं, लंदन से सक्रिय राजनीति में लौटने की तैयारी कर रहे हैं। उनकी अगुवाई में नई सरकार बनने से बांग्लादेश में स्थिरता की उम्मीद जगी है। पिछली सरकारों के दौरान अल्पसंख्यक समुदायों पर हुए अत्याचारों की घटनाओं ने समाज को आहत किया था। अब नई सरकार से उम्मीद की जा रही है कि वह हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

अल्पसंख्यक हिंदू बांग्लादेश की कुल आबादी का लगभग आठ प्रतिशत हैं। वे मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में रहते हैं और कृषि तथा छोटे व्यवसायों पर निर्भर हैं। हाल के वर्षों में मंदिरों पर हमले, जमीन हड़पने और हिंसा की घटनाओं ने इस समुदाय को भयभीत कर दिया था। बांग्लादेश राष्ट्रवादी दल ने चुनाव प्रचार के दौरान स्पष्ट संदेश दिया था कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा उनकी प्राथमिकता होगी। तारिक रहमान ने कई बार कहा है कि उनका दल सभी धर्मों के लोगों को समान अवसर देगा। नई सरकार बनने के बाद कानून व्यवस्था मजबूत करने के वादे से हिंदू समुदाय में उत्साह है।नई सरकार अल्पसंख्यकों के लिए कई कदम उठा सकती है। सबसे पहले, मंदिरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए विशेष दस्ते गठित किए जा सकते हैं। दूसरा, जमीन संबंधी विवादों को तत्काल निपटाने के लिए अदालतों में विशेष बेंच बनाई जा सकती हैं। तीसरा, हिंदू समुदाय के युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। इन कदमों से न केवल हिंदुओं का भरोसा बढ़ेगा बल्कि समाज में सद्भाव का वातावरण बनेगा। विशेषज्ञ बताते हैं कि स्थिर सरकार के आने से हिंसा की घटनाएं कम होंगी और अल्पसंख्यक समुदाय आर्थिक रूप से मजबूत होगा। उदाहरण के तौर पर, दल की पिछली सरकारों में अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड सक्रिय रहा था, जिसने कई योजनाएं चलाई थीं। अब ऐसी योजनाओं को नई जान मिलेगी।

भारत के साथ बांग्लादेश के संबंध हमेशा महत्वपूर्ण रहे हैं। दोनों देश सांस्कृतिक रूप से जुड़े हैं और सीमा पर व्यापार फलता-फूलता है। पिछली सरकारों के दौरान कुछ मुद्दों पर तनाव जरूर आया था, लेकिन बांग्लादेश राष्ट्रवादी दल भारत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखता है। तारिक रहमान ने कई मौकों पर कहा है कि भारत उनका मित्र देश है और दोनों देशों को मिलकर आतंकवाद तथा जल बंटवारे जैसे मुद्दों का समाधान करना चाहिए। नई सरकार बनने से ये संबंध और मजबूत होंगे। व्यापार बढ़ेगा, सीमा पर घुसपैठ रुकेगी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।भारत बांग्लादेश को निर्यात करता है कपड़ा, दवाइयां और मशीनरी। बदले में बांग्लादेश जूट तथा सब्जियां भेजता है। नई सरकार के आने से यह व्यापार दोगुना हो सकता है। इसके अलावा, गंगा जल बंटवारे पर नए समझौते की संभावना है। दोनों देश मिलकर बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएं चला सकते हैं। अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा भारत के लिए भी चिंता का विषय रही है। नई सरकार के सकारात्मक कदमों से भारत को आश्वासन मिलेगा और द्विपक्षीय संबंधों में नई गर्मी आएगी। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, नई सरकार दिल्ली का दौरा करेगी और उच्च स्तरीय वार्ता होगी। इससे दोनों देशों के नागरिकों को लाभ होगा।

तारिक रहमान का नेतृत्व भारत के हितों के अनुकूल माना जा रहा है। वे आर्थिक सुधारों पर जोर देंगे, जो भारत के निवेश को आकर्षित करेगा। बांग्लादेश में भारतीय कंपनियां पहले से सक्रिय हैं। नई सरकार के आने से इनका विस्तार होगा। ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा। भारत बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति करता है, इसे और बढ़ाया जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ दोनों देश साझा रणनीति बना सकते हैं। रोहिंग्या संकट पर भी सहमति बनेगी। कुल मिलाकर, नई सरकार से भारत को लाभ होगा।

अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए सकारात्मक प्रभाव लंबे समय तक रहेगा। नई सरकार शिक्षा नीति में बदलाव ला सकती है, जिसमें हिंदू त्योहारों को मान्यता मिलेगी। स्वास्थ्य सेवाओं में समान पहुंच सुनिश्चित होगी। महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हिंदू समुदाय के नेता उत्साहित हैं। वे कहते हैं कि अब वे बिना डर के जी सकेंगे। ग्रामीण इलाकों में विकास योजनाएं चलेंगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह बदलाव बांग्लादेश के लिए वरदान साबित होगा।युनुस मोहम्मद की कार्यवाहक सरकार ने संक्रमण काल संभाला था, लेकिन स्थायी सरकार की जरूरत थी। अब तारिक रहमान के नेतृत्व में देश नई दिशा पकड़ेगा। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और भारत से मजबूत रिश्ते इस सरकार की पहचान बनेंगे। समाज के सभी वर्गों को लाभ मिलेगा। बांग्लादेश में शांति स्थापित होगी और विकास की रफ्तार तेज होगी। भारत भी इस बदलाव का स्वागत करेगा। दोनों देश मिलकर समृद्धि के नए द्वार खोलेंगे। यह राजनीतिक मोड़ न केवल बांग्लादेश बल्कि दक्षिण एशिया के लिए सुखद संदेश है। अल्पसंख्यक हिंदुओं को न्याय मिलेगा और भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध मजबूत होंगे। उम्मीद है कि नई सरकार अपने वादों पर खरी उतरेगी।

विशेष

महाशिवरात्रि : आध्यात्मिक उत्कर्ष का पावन पर्व

प्रमोद दीक्षित 'मलय'
मोबाइल : 9452085234

धर्म धुरी पुण्यभूमि भारत व्रत, पर्व, उपवास एवं आध्यात्मिक साधना का क्षेत्र है। यहां हर दिन कोई न कोई त्योहार एवं उत्सव का आयोजन है। उत्सवधर्मी समाज जीवंतता का प्रतीक होता है और सुख, समृद्धि एवं सम्पन्नता का भी। प्राचीन काल से ही भारत का लोकजीवन भौतिकता एवं आध्यामिकता के सबल पंखों के सहारे न केवल दैनंदिन जीवन में विकास एवं विस्तार को गति दी अपितु उन्नति के शिखरों को स्पर्श भी किया; वहीं तप, त्याग, परोपकार एवं आध्यात्मिक जीवन के पथ पर बढ़ते हुए आम जन को लोक कल्याण के सूत्र सौंपे। भारतीय सनातन परम्परा में व्रत, उपवास एवं त्योहार आत्मिक चेतना के सम्बोध, गहन साधना, जीवन की निर्मलता, शारीरिक शुद्धता एवं पवित्रता का माध्यम रहे हैं। सनातन हिंदू मान्यता में मानव जीवन का लक्ष्य मोक्ष प्राप्ति है। उपासना, जप-तप एवं व्रत तथा साधना एवं जागरण के द्वारा साधक मुक्ति पथ पर अग्रसर होता है। महाशिवरात्रि व्रत एवं साधना व्यक्तिगत आध्यात्मिक उत्कर्ष एवं मोक्ष प्राप्ति का पावन अवसर तो है ही, साथ ही जागतिक कल्याण की भावना का सबलीकरण भी है क्योंकि शिव कल्याण करने वाले हैं। शिवत्व वैश्विक कल्याण की जाग्रत भावना है, महाशिवरात्रि में साधक शिवत्व प्राप्त कर जीवन में स्थिरता एवं गम्भीरता की कामना करते हैं। 'शिवो भूत्वा, शिवम यजेत' अनुसार साधक भगवान शिव की आराधना हेतु शिव की कल्याणकारी भावना से ओत-प्रोत हो भक्ति में लीन होते हैं।

महाशिवरात्रि उत्सव फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी-चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। दिन में शिवलिंग का पूजन एवं अभिषेक आदि तथा रात्रि में कीर्तन एवं ध्यान-साधना तथा जागरण के द्वारा शिव आराधना कर आध्यात्मिक दृष्टि से स्वयं को उज्ज्वल, निर्मल मन कर शिवमय हो जाते हैं। शास्त्रों में महाशिवरात्रि का व्रत को 10000 बार गंगा स्नान एवं 100 यज्ञों के समान फलदायी बताया गया है। विभिन्न प्रकार की शिवरात्रि का वर्णन शास्त्रों में मिलता है। नित्य शिवरात्रि, मास शिवरात्रि, प्रथमादि शिवरात्रि तथा महाशिवरात्रि। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भगवान शिव चतुर्दशी तिथि के स्वामी कहे गये हैं और त्रयोदशी के स्वामी कामदेव है। स्कंद पुराण के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन पूजन, ओम नमः शिवाय मंत्र-जाप तथा उपवास करने से मनुष्य जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो परमधाम शिवधाम को प्राप्त होता है। महाशिवरात्रि अज्ञान पर ज्ञान की प्रतिष्ठा का प्रतीक है।

महाशिवरात्रि व्रत करने एवं उत्सव मनाने के संदर्भ में शास्त्रीय परम्परा में कुछ दृष्टांत मिलते हैं। कहा जाता है कि इसी दिन माता पार्वती से भगवान शिव का विवाह हुआ था। उस आनन्द के अनुभव को जीने के लिए व्रत करते हुए माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा की जाती है। यह दाम्पत्य जीवन में सुख, शांति, सामंजस्य एवं समृद्धि देने वाला है। देवों एवं दैत्यों की संधि अनुसार सिंधु से रत्नादि प्राप्त करने हेतु समुद्र मंथन किया गया था। समुद्र मंथन के प्रारंभ में कालकूट विष निकला। उसकी ज्वाला की ताप से जीव-जंतु त्राहि-त्राहि करने लगे। देव-दैत्यों में कोई भी उस विष को ग्रहण करने को तैयार नहीं था क्योंकि वह ग्रहण करने वाले को जलाकर नष्ट करने वाला था। सामर्थ्यहीन देव-दैत्यों की प्रार्थना पर भगवान शिव ने कालकूट हलाहल को अपने कंठ में धारण कर लिया और समस्त चराचर जगत का कल्याण किया। उस दिन को शिवरात्रि नाम से जाना जाने लगा। विष के ताप से शांति एवं विष शमन हेतु शिव उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड अंतर्गत बांदा जनपद के कालिंजर पर्वत में विराजमान हुए। अभी भी वहां स्थापित शिवलिंग सदृश मूर्ति के गले से जल स्राव हो रहा है, गले पर हथेली या कोई कपड़ा और कागज रखकर अनुभव किया जा सकता है। एक कथा प्रसंग में आता है कि एक बार विष्णु और ब्रह्मा में विवाद हो गया कि कौन बड़ा है। कोई निर्णय नहीं हो पा रहा था, तब धरा-गगन मध्य अनंत अंतरिक्ष में एक विशाल अग्नि स्तंभ प्रकट हुआ और उद्घोष किया कि जो मेरा आदि-अंत खोजकर पहले आएगा, वही बड़ा होगा। विष्णु और ब्रह्मा में कोई उस अग्नि स्तम्भ का आदि-अंत न पा सका, तब अग्निस्तंभ शिवलिंग रूप में प्रतिष्ठित हो भगवान शिव महादेव कहलाए।

भगवान शिव लोक कल्याण के लिए द्वादश ज्योतिर्लिंग के रूप में विद्यमान हैं, जो इस प्रकार हैं – सोमनाथ (गुजरात), मल्लिकार्जुन (श्रीशैलम, आंध्रप्रदेश), महाकालेश्वर (उज्जैन, मध्यप्रदेश), ओंकारेश्वर (ओंकारेश्वर, मध्यप्रदेश), केदारनाथ (रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड), भीमाशंकर (पुणे के पास, महाराष्ट्र), काशी विश्वनाथ (वाराणसी, उत्तर प्रदेश), त्र्यंबकेश्वर (नासिक, महाराष्ट्र), वैद्यनाथ (देवघर, झारखंड), नागेश्वर (द्वारका, गुजरात), रामेश्वरम (तमिलनाडु), घृष्णेश्वर महादेव (औरंगाबाद, महाराष्ट्र)। महाशिवरात्रि के अवसर पर हम सभी भगवान शिव का पूजन, अभिषेक, जप एवं व्रत-उपवास कर आध्यात्मिकता के पथ पर सतत गतिमान रहें।

नजरिया

धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण त्यौहार है महाशिवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

भगवान शिव का त्यौहार है महाशिवरात्रि। भारत के सभी प्रदेशो में महाशिव रात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भारत के साथ नेपाल, मारिशस सहित दुनिया के कई अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाते है। हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिव रात्रि का व्रत किया जाता है। हिन्दू पुराणों के अनुसार इसी दिन सृष्टि के आरंभ में मध्यरात्रि मे भगवान शिव ब्रह्मा से रुद्र के रूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिन को महाशिवरात्रि कहा जाता है। यौगिक परम्परा में इस दिन और रात को इतना महत्व इसलिए दिया जाता है क्योंकि यह आध्यात्मिक साधक के लिए जबर्दस्त संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं। आधुनिक विज्ञान कई चरणों से गुजरने के बाद आज उस बिंदु पर पहुंच गया है। जहां वह प्रमाणित करता है कि हर वह चीज जिसे आप जीवन के रूप में जानते हैं। पदार्थ और अस्तित्व के रूप में जानते हैं। जिसे आप ब्रह्मांड और आकाशगंगाओं के रूप में जानते हैं। वह सिर्फ एक ही ऊर्जा है। जो लाखों रूपों में खुद को अभिव्यक्त करती है। हिंदू धर्म में

सबसे बड़ा पर्व महाशिवरात्रि है। इस दिन सभी शिव मंदिरों में भीड़-भाड़ का माहौल रहता है। महाशिवरात्रि के दिन सभी भक्त महादेव की कृपा पाने के लिए विधिवत पूजा-पाठ करते हैं। पंचांग के अनुसार शिवरात्रि फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है।

महाशिवरात्रि आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण है। इस रात धरती के उत्तरी गोलार्ध की स्थिति ऐसी होती है कि इंसान के शरीर में ऊर्जा कुदरती रूप से ऊपर की ओर बढ़ती है। इस दिन प्रकृति इंसान को अपने आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। गृहस्थ जीवन में रहने वाले लोग महाशिवरात्रि को शिव की विवाह वर्षगांठ के रूप में मनाते हैं। सांसारिक महत्वाकांक्षाएं रखने वाले लोग इस दिन को शिव की दुश्मनों पर विजय के रूप में देखते हैं।

माना जाता है की इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा करते है। महाशिवरात्रि का व्रत रखना सबसे आसान माना जाता है। इसलिये बच्चों से लेकर बूढ़ो तक सभी इस दिन व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के व्रत रखने वालों के लिये अन्न खाना मना होता है। इसलिये उस दिन फलाहार किया जाता है। राजस्थान में व्रत के समय गाजर, बेर का सीजन होने से गांवों में लोगों द्वारा गाजर, बेर का फलाहार किया जाता है। लोग मन्दिरों में भगवान शिव की पूजा करते हैं व उन्हें आक, धतूरा चढ़ाते हैं। भगवान शिव को विशेष रूप से भांग का प्रसाद लगता है। इस कारण इस दिन काफी जगह शिवभक्त भांग घोट कर पीते हैं।

शिवरात्रि के प्रसंग को हमारे वेद, पुराणों में बताया गया है कि जब समुद्र मन्थन हो रहा था उस समय समुद्र में चौदह रत्न प्राप्त हुए। उन रत्नों में हलाहल भी था। जिसकी गर्मी से सभी देव दानव त्रस्त होने लगे। तब भगवान शिव ने उसका पान किया। उन्होंने लोक कल्याण की भावना से अपने को उत्सर्ग कर दिया। इसलिए उनको महादेव कहा जाता है। जब हलाहल को उन्होंने अपने कंठ के पास रख लिया तो उसकी गर्मी से कंठ नीला हो गया। तभी से भगवान शिव को नीलकंठ भी कहते हैं। शिव का अर्थ कल्याण होता है। जब संसार में पापियों की संख्या बढ़ जाती है तो शिव उनका संहार कर लोगों की रक्षा करते हैं। इसीलिए उन्हें शिव कहा जाता है। योगियों और संन्यासियों के लिए यह वह दिन है जब शिव कैलाश पर्वत के साथ एकाकार हो गए थे। योगिक परम्परा में शिव को ईश्वर के रूप में नहीं पूजा जाता है। बल्कि उन्हें प्रथम गुरु, आदि गुरु माना जाता है। जो योग विज्ञान के जन्मदाता थे। कई सदियों तक ध्यान करने के बाद शिव एक दिन वह पूरी तरह स्थिर हो गए। उनके भीतर की सारी हलचल रुक गई और वह पूरी तरह स्थिर हो गए। वह दिन महाशिवरात्रि था। इसलिए संन्यासी महाशिवरात्रि को स्थिरता की रात के रूप में देखते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

संरा सुरक्षा परिषद पैनल ने लालकिले पर हुए हमले से जैश-ए-मोहम्मद के संबंध पर गौर किया

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की प्रतिबंध निगरानी टीम की एक रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया कि पाकिस्तान-स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का पिछले साल नवंबर में नई दिल्ली में लालकिला के पास हुए आतंकवादी हमले से संबंध बताया गया है।

इस हमले में 15 लोगों की मौत हो गई थी।

विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी दल द्वारा 'इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवांत' (आईएसआईएल) और अल-कायदा से संबंधित 'सुरक्षा परिषद 1267 प्रतिबंध समिति' को दी गई 37वीं रिपोर्ट में कहा गया, ''एक सदस्य देश ने उल्लेख किया कि जैश-ए-मोहम्मद ने कई हमलों की जिम्मेदारी ली है। यह भी बताया गया कि जैश-ए-मोहम्मद का संबंध नौ नवंबर को नई दिल्ली के लालकिले के पास हुए उस हमले से भी है जिसमें 15 लोग मारे गए थे।''

यहां जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले साल आठ अक्टूबर को जैश-ए-मोहम्मद के नेता मोहम्मद मसूद अजहर अल्वी ने ''महिलाओं की एक विशेष शाखा जमात उल-मुमिनात की स्थापना की औपचारिक रूप से घोषणा की थी जिसका उद्देश्य आतंकवादी हमलों का समर्थन करना है।''

रिपोर्ट में कहा गया कि जहां एक अन्य सदस्य देश ने जैश-ए-मोहम्मद के निष्क्रिय होने की सूचना दी, वहीं ''अलग से यह भी बताया गया कि 28 जुलाई को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में कथित तौर पर शामिल तीन व्यक्ति मारे गए।''

नई दिल्ली के लालकिला के पास हुए एक कार विस्फोट में करीब 15 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से नई दिल्ली में बृहस्पतिवार को साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन के दौरान यूएनएससी रिपोर्ट पर टिप्पणी मांगे जाने पर उन्होंने कहा, ''आप जिस विशेष रिपोर्ट का जिक्र कर रहे हैं, वह सार्वजनिक है। यह ऑनलाइन उपलब्ध है। यह विश्लेषणात्मक सहायता एवं प्रतिबंध निगरानी दल की 37वीं रिपोर्ट है। यह चार फरवरी, 2026 को प्रकाशित हुई थी।''

प्रवक्ता ने कहा, ''हमने देखा है कि उन्होंने सीमा-पार आतंकवाद पर हमारी चिंता के संबंध में और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को कैसे मजबूत किया जा सकता है, इस बारे में भारत द्वारा दी गई जानकारी को शामिल किया है।''

उषा उथुप, कैलाश खेर 'सैक्रेड अमृतसर' में हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली/भाषा। 'सैक्रेड अमृतसर' महोत्सव के चौथे संस्करण में संगीत, शायरी और कलात्मक अभिव्यक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा, जिसमें उषा उथुप और कैलाश खेर जैसे गायक तथा शास्त्रीय संगीत मंडली 'अनिरुद्ध वर्मा कलेक्टिव' प्रस्तुतियां देते नजर आएंगे।

'टीमवर्क आर्ट्स' की ओर से आयोजित यह महोत्सव 20 फरवरी को अमृतसर में सरोवर प्रीमियर, विभाजन संग्रहालय और किला गोबिंदगढ़ सहित अन्य स्थानों पर शुरू होगा।

आयोजकों के मुताबिक, 'सैक्रेड अमृतसर' का चौथा संस्करण रहस्यमय परंपराओं, भक्ति संगीत और सांस्कृतिक संवाद का जश्न मनाएगा और इसमें प्राचीन छंदों से लेकर समकालीन अभिव्यक्तियों दोनों का संगम देखने को मिलेगा।

'टीमवर्क आर्ट्स' के प्रबंध निदेशक संजय के रॉय ने एक बयान में कहा, 'सैक्रेड अमृतसर' उन आवाजों और परंपराओं को एक साथ लाता है, जो हमें संगीत की उपचार करने, सवाल उठाने और एकजुट करने की ताकत की याद दिलाती हैं।

बयान के अनुसार, पियानो वादक और संगीतकार अनिरुद्ध वर्मा के नेतृत्व वाले समकालीन भारतीय शास्त्रीय संगीत समूह 'द अनिरुद्ध वर्मा कलेक्टिव' की प्रस्तुति 'सैक्रेड अमृतसर 2026' के मुख्य आकर्षणों में से एक होगी।

गांवों एवं शहरों में रेडियो है एक विश्वसनीय आवाज : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि रेडियो एक ऐसा माध्यम है जो दूरदराज के गांवों से लेकर शहरों तक, लोगों के लिए विश्वसनीय आवाज है तथा इसने समय पर जानकारी पहुंचाई है, प्रतिभा को निखारा है और रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर साल 13 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व रेडियो दिवस इस माध्यम से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों को पहचान प्रदान करने का एक अवसर है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विश्व रेडियो दिवस एक ऐसे माध्यम का जश्न मनाने का अवसर है जो दूरदराज के गांवों से लेकर शहरों तक, लोगों के लिए विश्वसनीय आवाज है। वर्षों से, रेडियो समय पर जानकारी प्रदान करता रहा है, प्रतिभा को निखारता रहा है और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता रहा है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के माध्यम से उन्होंने स्वयं रेडियो की उस क्षमता का अनुभव किया है जिसके द्वारा देश के लोगों की सामाजिक शक्ति को उजागर किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''इस महीने का यह कार्यक्रम रविवार, 22 फरवरी को प्रसारित होगा।'' मोदी द्वारा प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के कुछ ही महीनों बाद अक्टूबर, 2024 में 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम शुरू हुआ था।

यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के लिए शासन, सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार और प्रेरणादायक कहानियां नागरिकों के साथ साझा करने का एक सीधा मंच रहा है। इसका प्रसारण हर महीने के आखिरी रविवार को सुबह 11 बजे होता है। चाहे स्वच्छता हो, सामाजिक सेवा हो, जल संरक्षण हो, खेल हो या महिला सशक्तीकरण, नागरिक अपने विचार और सुझाव प्रधानमंत्री के रेडियो कार्यक्रम के लिए उन्हें ऑनलाइन भेज सकते हैं।

वर्ल्ड रेडियो डे स्पेशल

जब बॉलीवुड ने रुपहले पर्दे पर दी रेडियो को आवाज़

मुंबई/एजेन्सी

हर साल 13 फरवरी को वर्ल्ड रेडियो डे मनाया जाता है। रेडियो आज भी ऐसा माध्यम है जो दूरियों को मिटाता है, लोगों को जोड़ता है और भावनाओं को आवाज़ देता है। पॉडकास्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म से बहुत पहले, रेडियो ही बातचीत, संगीत और खबरों का सबसे भरोसेमंद ज़रिया था। रही बात बॉलीवुड में रेडियो की, तो बॉलीवुड ने रेडियो को हमेशा सिर्फ़ एक पेशे के रूप में नहीं, बल्कि लोगों को जोड़ने वाले एक भावनात्मक सहारे के रूप में दिखाया है। सिर्फ यही नहीं, हिंदी फिल्मों ने रेडियो के इस असर को कई यादगार किरदारों के ज़रिये भी दिखाया है। तो आइए वर्ल्ड रेडियो डे पर, एक नज़र डालते हैं उन फिल्मों और कलाकारों पर जिन्होंने रेडियो को पर्दे पर खास बनाया।

प्रीती ज़िंटा – सलाम नमस्ते (2005)

'सलाम नमस्ते' में प्रीति ज़िंटा ने रेडियो जॉकी अम्बर एम्बी मल्होत्रा का किरदार निभाया था। यह किरदार आत्मनिर्भर, बेबाक और मॉडर्न था। उस समय जब एफएम रेडियो युवाओं में लोकप्रिय हो रहा था, एम्बी ने दिखाया कि आरजे सिर्फ़ गाने नहीं बजाते, बल्कि श्रोताओं के दोस्त भी होते हैं।

विद्या बालन – लगे रहो मुन्नाभाई (2006)

'लगे रहो मुन्ना भाई' में विद्या बालन यानी जान्हवी एक रेडियो शो होस्ट थीं, जो अपने शो के ज़रिये गांधीजी के विचार आम लोगों तक पहुँचाती हैं। इस फिल्म ने दिखाया था कि रेडियो कैसे समाज में सकारात्मक सोच और बदलाव ला सकता है।

संजय दत्त – लगे रहो मुन्नाभाई (2006)

इस फिल्म में संजय दत्त का किरदार रेडियो जॉकी नहीं था, लेकिन रेडियो की भूमिका कहानी में बहुत अहम थी। रेडियो के ज़रिये 'गांधीगिरी' लोगों तक पहुँची और यह साबित हुआ कि यह माध्यम किसी की भी सोच को प्रभावित करने की ज़बरदस्त ताक़त रखता है।

हितिक रोशन – गुज़ारिश (2010)

'गुज़ारिश' में ऋतिक रोशन ने ईथन मैस्करेनहास का किरदार निभाया था, जो हादसे के बाद रेडियो जॉकी बन जाता है। उनका लेट-नाइट शो भावनाओं और शायरी से भरा होता है। यह किरदार दिखाता है कि रेडियो आवाज़ के ज़रिये दिलों से कैसे जुड़ता है।

विद्या बालन – तुम्हारी सुलु (2017)

'तुम्हारी सुलु' में विद्या बालन एक साधारण गृहिणी सुलु के रूप में नज़र आती हैं, जो लेट-नाइट रेडियो जॉकी बन जाती है। उनका किरदार रेडियो की सादगी और अपनापन दिखाता है, जहाँ श्रोता खुलकर अपनी बातें साझा करते हैं।

जश्न

मुंबई में शुक्रवार को एक्ट्रेस रानी मुखर्जी 'मर्दानी 3' के दौरान मुंबई में सक्सेस सेलिब्रेशन मनाती हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने दी विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी को सशर्त जमानत

मुंबई/एजेन्सी

30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में फिल्म निर्देशक विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेताम्बरी भट्ट को बड़ी राहत मिली है। दंपत्ति को सुप्रीम कोर्ट ने मामले में अंतरिम जमानत दी है और जल्द से जल्द धोखाधड़ी का पैसा वापस करने का निर्देश दिया है। विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेताम्बरी भट्ट ने उदयपुर सेशन कोर्ट में राहत न मिल पाने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और जमानत याचिका डाली थी। आज मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कुछ प्रतिबंध और निर्देश के बाद दंपत्ति को जमानत दे दी है।

सीजेआई ने मामले पर राजस्थान सरकार को नोटिस जारी किया और दंपत्ति को बेल बॉन्ड पर रिहा करने का आदेश भी दिया है। कोर्ट ने ये भी निर्देश दिया है कि दंपत्ति को जांच में पूरा सहयोग करना होगा और इस जांच के दौरान दिल्ली में ही रहना होगा और पासपोर्ट भी पुलिस के पास सरेंडर करने होंगे। मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को होगी। बता दें कि विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेताम्बरी भट्ट ने फिल्म में निवेश के बाद मोटा पैसा वापस लौटाने का वादा किया था,

मैंने मेहनत, पैशन और प्यार के साथ निभाया 'दिल धोखा और डिजायर' में अपना किरदार : आकांक्षा चमोला

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस और बिग बॉस 19 के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ओटीटी डेब्यू कर चुकी हैं। स्ट्रिमिंग प्लेटफॉर्म शेमारू मी की वेब सीरीज 'दिल धोखा और डिजायर' में वह खास अंदाज में नजर आईं, जिसे लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। आकांक्षा ने बताया कि वह सही समय का इंतजार कर रही थीं। 'दिल धोखा और डिजायर' से डिजिटल डेब्यू कर रहीं आकांक्षा ने इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जताया है और कहा है कि वह अपने काम के चुनाव को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं। आकांक्षा ने बताया, अपनी जर्नी के इस मोड़ पर ओटीटी स्पेस में कदम रखना बहुत खास लग रहा है। मैंने इस वेब सीरीज में बहुत मेहनत, पैशन और प्यार डाला है। उम्मीद है कि दर्शक मालिनी और उनकी जर्नी को उतनी ही प्यार से अपनाएंगे। सीरीज में आकांक्षा मालिनी का किरदार निभा रही हैं, जो कहानी का केंद्र है। मालिनी मजबूत होने के साथ कमजोर भी है, हिम्मत वाली है लेकिन उलझनों में भी फंसी है। आकांक्षा कहती हैं, यह रोल मुझे इमोशनली चैलेंज करता है। मालिनी रियल और कई कमियों वाली है।

उन्होंने आगे कहा, मैं सही स्क्रिप्ट और सही रोल का इंतजार कर रही थी और अब लगता है कि इंतजार सही था। मैं अपने काम को लेकर बहुत जागरूक हूं। इस कैरेक्टर ने मुझे क्रिएटिवली उत्साहित किया क्योंकि इसमें अलग-अलग शेड्स हैं। मेरा किरदार प्यार करने वाली, गुस्सैल, कमजोर, कभी-कभी मैनिपुलेटिव भी है। मालिनी आपको पसंद आएगी। 'दिल धोखा और डिजायर' एक दिलचस्प कहानी है, जहां प्यार जुनून में बदल जाता है और महत्वाकांक्षाओं की सभी सीमाओं को तोड़ देती है। यह प्यार, धोखा, आकर्षण, नियंत्रण और बदले के जटिल रिश्तों पर आधारित है। मालिनी का सफर कहानी में इमोशनल गहराई और नयापन जोड़ता है। सीरीज में आकांक्षा के साथ कुंवर अमर और अली हसन मुख्य भूमिकाओं में हैं। आकांक्षा ने हाल ही में छोटे पर्दे पर टीवी शो 'कैसे मुझे तुम मिल गए' से वापसी की है।

आदित्य पंचोली केस : एफआईआर रद्द करने की मांग पर हाईकोर्ट सख्त, अभिनेत्री को फिर भेजा नोटिस

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में अभिनेता आदित्य पंचोली से जुड़े बहुचर्चित दुष्कर्म मामले में एक बार फिर कानूनी हलचल तेज हो गई है। इस मामले में अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुनवाई की। आदित्य पंचोली ने कोर्ट से अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की है। अदालत में हुई सुनवाई के दौरान पुलिस की ओर से दी गई जानकारी और कोर्ट के निर्देशों ने इस केस को एक नया मोड़ दे दिया है। बॉम्बे हाईकोर्ट को बताया गया कि शिकायतकर्ता अभिनेत्री अब तक पुलिस के सामने बयान दर्ज कराने के लिए उपस्थित नहीं हुई हैं। अभिनेत्री को अब तक 11 बार नोटिस भेजे जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद वह पेश नहीं हुई है। इस पर अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए एक बार फिर नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है और स्पष्ट किया है कि अगली तारीख पर उनकी उपस्थिति जरूरी होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी को निर्धारित की गई है।

यह मामला मुंबई के अंधेरी वेस्ट स्थित वर्सोवा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता अभिनेत्री ने अपनी शिकायत में गंभीर आरोप लगाए। आरोप के मुताबिक, फिल्म इंडस्ट्री में करियर के शुरुआती दौर के दौरान आदित्य पंचोली ने उन्हें नशीला पदार्थ दिया और उनके साथ दुष्कर्म किया।अभिनेत्री का दावा है कि ये घटनाएं साल 2004 से 2009 के बीच की हैं, जब पंचोली ने कथित तौर पर उन्हें ब्लैकमेल किया और जबरन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। शिकायत में कहा गया है कि इस दौरान उनका शारीरिक और मानसिक शोषण किया गया।अभिनेत्री ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उनकी निजी तस्वीरें लीं और उन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देकर लंबे समय तक दबाव में रखा। इसी आधार पर उन्होंने कानूनी कार्रवाई का रास्ता चुना।इस मामले पर आदित्य पंचोली और उनके वकील ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। पंचोली के वकील का कहना है कि यह मामला पूरी तरह से झूठा और दुर्भावनापूर्ण है। शिकायत समय-सीमा के काफी बाद दर्ज की गई है और इसके पीछे निजी रंजिश है। इसी आधार पर पंचोली ने बॉम्बे हाईकोर्ट में एफआईआर रद्द करने की याचिका दाखिल की।

'सुधर जाओ, नहीं तो अच्छे से इलाज करेंगे,' सामने आया रणवीर सिंह धमकी मामले में हैरी बॉक्सर का ऑडियो

मुंबई/एजेन्सी

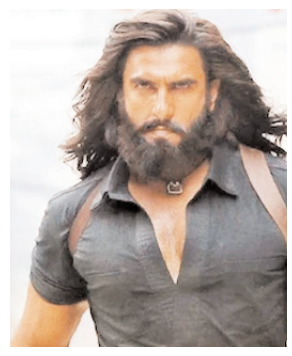

फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर फायरिंग के बाद रणवीर सिंह को धमकी देने वाले मामले में नए खुलासे हो रहे हैं। पहले मुंबई क्राइम ब्रांच ने खुलासा किया कि बिश्नोई गैंग के खास गुर्गे हैरी बॉक्सर ने धमकी भरा वॉयस ऑडियो भेजा था, लेकिन अब हैरी बॉक्सर का एक कथित ऑडियो सामने आया है जिसमें आरोपी अभिनेता को सुधर जाने और जान से मारने की धमकी तक दे रहा है। हैरी बॉक्सर का एक कथित ऑडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह रोहित शेट्टी और रणवीर सिंह को धमकाता नज़र आ रहा है। मुंबई क्राइम ब्रांच के सीनियर अधिकारी ने दावा किया कि इस ऑडियो की सत्यता की जांच की जा रही है। मुंबई क्राइम ब्रांच ये भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मैसेज भेजने वाले की सही लोकेशन क्या है। क्राइम ब्रांच धमकी भेजने में इस्तेमाल हुए वीपीएन नेटवर्क का भी पता लगा रही है, जिसकी लोकेशन विदेश की दिख रही है। फिलहाल क्राइम ब्रांच मामले की गहनता से जांच कर रही है।

वायरल हो रहे ऑडियो मैसेज में हैरी बॉक्सर अपना परिचय देते हुए कहता है, 'राम-राम, मैं हरि बॉक्सर बिश्नोई गैंग से। आज का ये वॉयस नोट बॉलीवुड वालों के लिए है, खासकर रणवीर सिंह और रोहित शेट्टी के लिए। समय रहते अगर तुम सुधरे नहीं तो तुम्हारा वो इलाज करेंगे, वो हाल करेंगे कि तुम्हारी सात पीढ़ी याद रखेंगी। रणवीर सिंह को बहुत शौक है रिपोर्ट करने का, थाने में एप्लीकेशन देने का, लेकिन तुम्हें नहीं पता कि तुम्हारे नीचे काम करने वाले मैनेजर और बाकी लोगों की सारी डिटेल है हमारे पास। वो कहां रहते हैं, परिवार कहां है और कब ऑफिस जाते हैं। हम जब उनपर वार करेंगे, तब तुम लोगों को समझ आ जाएगा।'

ऑडियो में हैरी बॉक्सर आगे कहता है, 'पुर्तगाल में जो फायरिंग हुई है, मरिन्हा ग्रांडे में, वो भी हम ही लोगों ने कराई है। वहां का व्यापारी हमारे हिंदुस्तानी भाइयों से काम करवाता है और फिर पैसे भी दिए गए। अब इन सबका अंजाम बहुत बुरा होगा। ये तो सिर्फ ट्रेलर है, अगर किसी ने हमारा नुकसान करवाने की कोशिश की तो अबकी बार सारे दुश्मनों के सिर पर गोली चलेगी।'

अलग-अलग शैलियों के गीत गाकर महसूस हुई भारतीय संगीत की असली ताकत : श्रेया घोषाल

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय संगीत की दुनिया में श्रेया घोषाल का नाम बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। पिछले दो दशकों से ज्यादा समय से श्रेया हिंदी सिनेमा के संगीत को अपनी आवाज से नए मुकाम पर पहुंचाती आई हैं। उन्होंने कई भाषाओं में अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेरा है। हाल के दिनों में उनके कई नए गाने रिलीज हुए हैं, जिनमें 'इंकलाबी जिद्दी', 'मातृभूमि', 'असलू सिनेमा', 'गाना गुंजूर', 'ओ माई री', और 'थलोड़ी मरायुवथेविदे नी' जैसे गीत शामिल हैं। इनमें से किसी गाने में देशभक्ति और क्रांति का स्वर है, तो किसी में रिश्तों की कोमल भावनाएं और लोक संगीत की खुशबू है, तो वहीं किसी में आधुनिक सिनेमा की एनर्जी है।

इन गानों को लेकर श्रेया घोषाल ने कहा, ''एक के बाद एक इतने अलग-अलग तरह के गाने गाना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। अलग-अलग भावनाओं और संगीत शैलियों के बीच लगातार काम करना यह एहसास कराता है कि भारतीय संगीत वास्तव में कितना विशाल और बहुआयामी है। हर गीत अपनी एक अलग संस्कृति और कहानी से जुड़ा होता है, लेकिन इन सबकी जड़ में भावना और कहानी ही होती है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है।'' श्रेया ने कहा, ''एक गायक के तौर पर इतनी विविध कहानियों को आवाज देना बेहद संतोषजनक है। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे ऐसे संगीत सफर का हिस्सा बनने का मौका मिला, जो भारतीय संगीत की एकता और समृद्धि को दर्शाता है। संगीत भाषा या क्षेत्र का मोहताज नहीं होता, बल्कि भावनाओं की सच्चाई ही उसे श्रोताओं से जोड़ती है।''

श्रेया घोषाल को 'डायनामिक्स की रानी' कहा जाता है। 'बैरी पिया' और 'डोला रे डोला' जैसे गीतों ने उन्हें पहले ही कदम पर राष्ट्रीय पहचान दिला दी। इसके बाद, उन्होंने 'धीरे जलना', 'ये इश्क हाय', 'फेरारी मोन', 'जीव रंगला', और 'मायावा थूयावा' जैसे गीतों के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किए, जिनमें पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, और तेलंगाना के राज्य पुरस्कारों के साथ-साथ बीएफजेए अवॉर्ड भी शामिल हैं।

पोर्ट्रेट

सूरत में शुक्रवार को साइंस सेंटर आर्ट गैलरी और एम्फीथिएटर में कला, संस्कृति और एक्सप्रेशन के क्यूरेटेड सेलिब्रेशन नायिका 5.0 रंगीनी के दौरान एक आर्टिस्ट एक बड़े पोर्ट्रेट आर्टवर्क पर काम करता हुआ।

गुरुनानक महाविद्यालय के 2040 विद्यार्थियों को मिला शासकीय लैपटॉप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेलाचेरी स्थित गुरुनानक महाविद्यालय में सरकारी योजना 'उलगम उंगल कैयिल' के तहत शासकीय लैपटॉप वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एम. सुब्रमण्यन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। गुरुनानक महाविद्यालय के 2040 विद्यार्थियों को लैपटॉप का वितरण किया गया। राज्य भर में डिजिटल शिक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में गत 5 जनवरी को इस योजना का शुभारंभ किया गया है।

गुरुनानक महाविद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. आर. एम. एषिल़ारसी ने अपने स्वागत अभिभाषण में विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास एवं डिजिटल सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली ऐसी प्रगतिशील योजनाओं को लागू करने के लिए तमिलनाडु सरकार के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

इस योजना से तृतीय वर्ष के कुल 2040 छात्रों को लाभ मिला तथा उन्हें मुख्य अतिथि द्वारा लैपटॉप प्रदान किए गए। अपने संबोधन में मंत्री ने इस वितरण समारोह का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि तमिलनाडु राज्य में 10 लाख से अधिक छात्र-छात्राएँ इस पहल से लाभान्वित होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि लैपटॉप के साथ परप्लेक्सिटी टूल का उपयोग भी किया जा सकता है, जिसका मासिक सब्सक्रिप्शन □1950 है एवं विद्यार्थियों को छह महीने तक यह निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है। द्वितीय वर्ष के 1994 छात्रों को भी जल्द ही इसी योजना के तहत लैपटॉप प्राप्त होंगे।

मुख्य अतिथि ने मुख्यमंत्री द्वारा उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया, जिनमें पुधुमई पेन', तमिल पुधलवन', नान मुधलवन' जैसी कई अन्य विद्यार्थी-केंद्रित पहलें शामिल हैं। उन्होंने इस बात के महत्त्व को रेखांकित किया कि तमिलनाडु राज्य ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र एक मजबूत स्थिति प्राप्त कर ली है में जो सकल नामांकन अनुपात का 47 प्रतिशत है। यह शैक्षिक प्रगति राज्य की शिक्षा के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कार्यक्रम का समापन उप-प्रधानाचार्य डॉ. पी.वी. कुमारगुरु के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

'खागा व्यापार उत्सव' का आगाज किया कर्नाटक के मंत्री दिनेश गुंडूराव ने

बाहर के ग्राहकों को आकर्षित करने का है यह उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव ने शुक्रवार को कर्नाटक गारमेन्ट एवं होजरी एसोसिएशन (खागा) द्वारा 15 फरवरी से 15 अप्रैल तक चलने वाले 'व्यापार उत्सव' अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर खागा व्यापार विकास कमेटी के चेयरमैन दिलीप जैन, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, विकास जैन आदि उपस्थित थे। खागा ने आगामी उगादि, रमजान व अन्य सीजन के मद्देनजर दक्षिण भारत के ग्राहकों को आकर्षित करने और उन्हें बेंगलूरु मार्केट से अधिक से अधिक माल खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'खागा व्यापार उत्सव' का आयोजन किया गया है। ङ्कङ्कआयोजकों ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद शहर के बाजार में बाहर से आने वाले ग्राहकों की आवाजाही काफी कम हो गई थी परिणामस्वरूप व्यापार का स्तर कम हो गया था।

आयोजकों को पूरा विश्वास है कि यह उत्सव बेंगलूरु बाजार में फिर से उसकी खोई रौनक को लौटाएगा तथा उत्सव के दौरान विभिन्न ऑफर ग्राहकों को बेंगलूरु बाजार की ओर आकर्षित करेंगे। खागा व्यापार उत्सव में भाग लेने वाले व्यापारियों से माल खरीदने पर ग्राहकों को कार, स्कूटर व लेपटॉप के साथ प्रति सप्ताह टेलीविजन जीतने का अवसर मिलेगा, इसके साथ अन्य उपहार भी होंगे।

कैंसर पर निकाली गई जागरूकता रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ़ सोशल वर्क ने सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड साइंस कड्लूर और एश्वर्या हॉस्पिटल, चेन्नई के साथ मिलकर 11 फरवरी को कैंसर पर जागरूकता को लेकर कडलूर पोस्ट ऑफिस जंक्शन पर एक जागरूकता रैली 'यूनाइटेड वाई यूनिक-चेक, डिडेक्ट, डिफेक्ट' निकाली।

कैंसर जागरूकता और रोकथाम के लिए लोगों को प्रतिबद्धता के लिए बढ़ावा देने के लिए एक सिग्नेचर कैंपेन भी चलाया गया। यह कार्यक्रम कैप्टन डॉ. आर. संतोष बाबू, प्राचार्य और सचिव अशोक कुमार मूँदडा के निर्देशन में किया गया।

चन्द्रप्रभु कॉलेज में 211 विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किए गए

तमिलनाडु सरकार की योजना 'वर्ल्ड इन योर हैंड' के तहत बांटे लैपटॉप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवल्लूर। शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार की कल्याणकारी पहल योजना उलगम उंगल कैयिल, 2026 के तहत श्री चंद्रप्रभु जैन कॉलेज के महावीर सभागार में लैपटॉप वितरण समारोह आयोजित किया गया। कुल 211 छात्रों को उनके शैक्षणिक विकास और डिजिटल पहुंच का समर्थन करने के उद्देश्य से लैपटॉप प्राप्त हुए। इस मौके पर पोन्नेरी के विधायक दुरई चंद्रशेखर, एससीपी जैन कॉलेज के सचिव ललित कुमार जैन, एससीपी जैन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एन. सुजाता, मिंजुर नगर पंचायत के अध्यक्ष रुक्मणी मोहन राज, उपाध्यक्ष अलेक्जेंडर और आर्यनवोयल वार्ड सदस्य अबू बक्कर भी उपस्थित थे। स्वागत भाषण में प्रधानाचार्य डॉ. एन. सुजाता ने आधुनिक शिक्षा में प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक और व्यावसायिक संभावनाओं को मजबूत करने के लिए जिम्मेदारी से लैपटॉप का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अध्यक्षीय भाषण में ललित कुमार जैन ने कहा कि गैजेट्स ज्ञान, अवसर और विकास के प्रवेश द्वार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से एक सफल भविष्य बनाने के लिए लैपटॉप का सही तरीके से उपयोग करने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि का परिचय तमिल विभाग के प्रमुख के. कलैयारासन ने दिया। दुरई चन्द्रशेखर ने युवावस्था की चुनौतियों, छात्र संघ के नेता के रूप में अपने यादगार कार्यकाल और दृढ़ता और समर्पण से चिह्नित सार्वजनिक जीवन में उनकी यात्रा पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की दूरदर्शी पहल'मुफ्त लैपटॉप योजना' की सराहना की। कार्यक्रम का समापन गणित विभाग के प्रमुख डॉ. एस. मुथुकुमार के धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ।

'कार्गो हैंडलिंग' में चेन्नई पोर्ट ने फिर स्थापित किया ऐतिहासिक रिकार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई पोर्ट ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 12 फरवरी को 50 मिलियन टन (एमएमटी) कार्गो हैंडलिंग का अहम माइलस्टोन हासिल किया है। यह माइलस्टोन पिछले वित्त वर्ष से 18 दिन पहले हासिल किया गया है, जिसमें गत 1 मार्च को 50 एमएमटी का आंकड़ा पार किया गया था। यह शुरुआती अचीवमेंट पोर्ट की बेहतर ऑपरेशनल एफिशिएंसी, लगातार ग्रोथ की राह और मजबूत कस्टमर कॉन्फिडेंस को दिखाता है।

कंटेनर के मामले में, चेन्नई पोर्ट ने 11 फरवरी तक 1.67 मिलियन टीईयू हैंडल करके अपने पिछले साल के 1.56 मिलियन टीईयूएस के थ्रूपुट को पार कर लिया है, जिससे कंटेनर ट्रैफिक में 7.05 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। मौजूदा वित्त वर्ष में हैंडल किए गए 50 एमएमटी कार्गो की बनावट इस तरह है : कंटेनर - 32.27 एमएमटी, क्रूड - 13.00 एमएमटी, फर्टिलाइज़र - 0.358 एमएमटी, और अन्य कार्गो - 4.36 एमएमटी।

इस इलाके के आस-पास के बड़े और प्राइवेट पोर्ट्स से कड़े कॉम्पिटिशन के बावजूद, लगातार 50 एमएमटी से ज़्यादा कार्गो हैंडल करने की कामयाबी, चेन्नई पोर्ट की ऑपरेशनल एक्सीलेंस और उसके कस्टमर्स और स्टेकहोल्डर्स के लगातार भरोसे को दिखाती है। यह माइलस्टोन पोर्ट की मज़बूती, लगातार ग्रोथ और हाई परफॉर्मेंस स्टैंडर्ड्स बनाए रखने के लिए लगातार कमिटमेंट को और दिखाता है। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के चेयरमैन ने इस माइलस्टोन को हासिल करने में उनके लगातार सपोर्ट के लिए ट्रेड फ्रेटरनिटी, पोर्ट यूज़र्स, स्टेकहोल्डर्स और कर्मचारियों का दिल से शुक्रिया अदा किया, और यह विश्वास जताया कि लगातार प्रगति के साथ चेन्नई पोर्ट वित्त वर्ष 2025-26 के बचे समय में अपनी अच्छी प्रगति को दर्ज करेगा।

बेंगलूरु में शुक्रवार को चित्रकला परिषद में इंडियन आर्टिसन बाजार के दौरान सीरियल एक्ट्रेस मधुश्री बायरप्पा।

नेपाल के पूर्व राजा के हवाई अड्डे पर पहुंचने पर समर्थकों ने राजशाही की बहाली की मांग की

काठमांडू/भाषा। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह के कड़ी सुरक्षा के बीच शुक्रवार को यहां पहुंचने पर सैकड़ों समर्थक हवाई अड्डे पर जमा हो गए और राजशाही की बहाली की मांग की।पूर्व नरेश के काठमांडू हवाई अड्डे पर उतरते ही उनके समर्थकों ने तख्तियां लिए हुए नारे लगाए हम अपने राष्ट्र को बचाने के लिए राजा ज्ञानेंद्र को वापस चाहते हैं।काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय द्वारा त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में पांच से अधिक लोगों के जमावड़े पर प्रतिबंध लगाने वाले निषेधाज्ञा आदेशों के बावजूद पूर्व नरेश के समर्थक हवाई अड्डे पर जमा हो गए।नेपाल ने 2008 में राजशाही को समाप्त कर दिया था, लेकिन आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता के बीच पिछले साल राजशाही समर्थक प्रदर्शन फिर से शुरू हो गए। हवाई अड्डे के आसपास के इलाके में भारी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। राजतंत्र समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के कार्यकर्ता, जिनका नेतृत्व वरिष्ठ नेता कमल थापा कर रहे हैं, और नवराज सुबेदी और चिकित्सा पेशेवर दुर्गा प्रसाई के नेतृत्व में विभिन्न अन्य समर्थक समूह शुक्रवार सुबह से ही हवाई अड्डे के क्षेत्र में जमा हो गए थे।काठमांडू में बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, प्रसाई ने कहा कि वे पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव से पहले राजशाही संस्था को बहाल करना चाहते हैं।

नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शुक्रवार को केलीज के सरकारी निगरानी गृह के निवासियों के लिए एक विशेष नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। फोर्ट लायंस चैरिटेबल ट्रस्ट के अंतर्गत मद्रास फोर्ट सेंट जॉर्ज लायंस क्लब ने अग्रवाल नेत्र अस्पताल की चिकित्सा टीम के सहयोग से इस शिविर का आयोजन किया। सरकारी अवलोकन गृह के सहायक अधीक्षक कवि प्रसाद ने शिविर में भाग लिया और इसका उद्घाटन किया।

अवलोकन गृह की अधीक्षक सुश्री ग्लोरी भी उपस्थित थीं।

अग्रवाल आई हॉस्पिटल में नेत्र एवं स्वास्थ्य देखभाल परामर्शदाता सुश्री कविता ने मरीजों और कर्मचारियों की नेत्र जांच पूरी करने के बाद कार्यालय के कर्मचारियों के साथ चर्चा की।

क्लब के अध्यक्ष मितेश मेहता ने सभी का स्वागत किया और ऑब्जर्वेशन सेंटर के प्रभारी को स्पोर्ट्स किट भेंट की। जोन चेयरमैन जयगोकुल शुक्ला, जिला अध्यक्ष (सेव गर्ल चाइल्ड)आर. मुरली , उषा बोहरा और अनुजा क्लेमेंट ने भी भाग लिया।

'कुछ कही अनकही' पुस्तक का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। शहर के जैन मार्बल्स हॉल में लेखिका नीलम सेठिया की प्रथम पुस्तक 'कुछ कही अनकही' का लोकार्पण हुआ। इस आयोजन में शहर के गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों, साहित्यप्रेमियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति थी। दीप प्रज्वलन डॉ. आर. सेलवरंगम, जे. तिरुनावुक्करासु, लक्ष्मी सिद्धार्थन, राजेश्वरी वेंकटरामन एवं तरुण सेठिया ने किया। लेखिका के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश आरती ने डाला।

पुस्तक के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रस्तुत करते हुए रमेश खटेड़ ने बताया कि 'कुछ कही अनकही' केवल पत्रों का संग्रह नहीं, बल्कि आत्ममंथन, नारी सशक्तिकरण और सामाजिक जागरण का सशक्त दस्तावेज है।

नीलम सेठिया ने पुस्तक लेखन की प्रेरणा, उसके भावनात्मक पक्ष तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि यह कृति महिलाओं को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने और स्वतंत्र चिंतन की दिशा में अग्रसर होने का आह्वान करती है। समारोह में अर्चना मनोजकुमार, डॉ. आर. सेलवरंगम, प्रो. गीतांजलि दिलीप जे. तिरुनावुक्करासु, लक्ष्मी सिद्धार्थन तथा राजेश्वरी वेंकटरामन का सम्मान निर्मल सेठिया का सम्मान भी किया गया। संचालन रमेश खटेड ने किया।

स्वागत

भारतीय जनता पार्टी के सांसद बैजयंत पांडा का शुक्रवार को असम के नागांव जिले के दौरे के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

त्यौहार के मद्देनजर दानापुर के लिए विशेष ट्रेन सेवाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ ट्रेनों का प्रायोगिक ठहराव वहीं कुछ ट्रेनों की सेवाएं बढ़ाई जा रही हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे ने कुच एक्सप्रेस ट्रेनों के प्रायोगिक ठहराव को संबंधित स्टेशनों पर तुरंत प्रभाव से अगली सूचना तक जारी रखने की सूचना दी है। ट्रेन नंबर 17212 यशवंतपुर-मचेलीपट्टनम कोंडावीडू ट्राई-वीकली एक्सप्रेस कुंबुम स्टेशन पर, ट्रेन नंबर 22683 यशवंतपुर-लखनऊ वीकली सुपरफास्ट एक्सप्रेस अनंतपुर स्टेशन पर, और ट्रेन नंबर 16593 यशवंतपुर-नांदेड़ डेली एक्सप्रेस और 16594 नांदेड़-केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस नागरुड़ स्टेशन पर रुकती रहेंगी। पूर्व तटीय रेलवे (ईस्टकोस्ट) ने होली के त्योहार को देखते हुए यात्रियों की ज़्यादा भीड़ को कम करने के लिए विशाखापत्तनम और एसएमवीटी बेंगलूरु के बीच स्पेशल ट्रेन सेवा को बढ़ाया गया है। ट्रेन नंबर 08581 विशाखापत्तनम-एसएमवीटी बेंगलूरु वीकली एक्सप्रेस, जो रविवार को चलती है, जिसे पहले 22 फरवरी तक चलने के लिए आदेश जारी किए गए थे, उसे 1 मार्च से 29 मार्च तक बढ़ा दिया गया है। ट्रेन नंबर 08582 एसएमवीटी बेंगलूरु-विशाखापत्तनम वीकली एक्सप्रेस, जो सोमवार को चलती है, जिसे पहले 23 फरवरी तक चलार्स जा रही थी को 2 मार्च से 30 मार्च तक बढ़ा दिया गया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे ने नारायणगढ़ और भद्रक के बीच तीसरी लाइन के कंस्ट्रक्शन के सिलसिले में नीलगिरी रोड यार्ड में यार्ड रीमॉडलिंग के काम की वजह से कुछ ट्रेनों परिचालन में परिवर्तन किया गया।

'भारतीय संस्कृति, कृषि और अर्थव्यवस्था की आधारशिला है देशी गाय'

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के बन्नूर विनायक बलगावती संस्था के तत्वावधान में गोपालकों का सम्मान किया गया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर पर्यावरण जागृति वैदिक के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित उपस्थित थे। समिति की ओर से राजपुरोहित का सम्मान किया गया।

राजपुरोहित ने अपने सम्बोधन में कहा कि देशी गाय भारतीय संस्कृति, कृषि और अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। दूध, घी, गोबर-गोमूत्र आधारित जैविक खाद अमूल्य है। गौशाला में कूबड़ नस्लीय देशी गायों के संरक्षण हेतु पौष्टिक चारा, स्वच्छ पानी सहित उचित आवास की आवश्यकता होती है, जो सतत जीवन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देते हैं। भारतीय गायों के आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ हैं। गाय दिव्य शक्ति स्वरूपा हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.